आज का सुविचार

अधिकार खोकर बैठे रहना यह महादुष्कर्म है।
मैथलीशरण गुप्त

दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड

डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आरएनआई नं. MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं. MP/BHOPAL/4>504/2020>22

आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

वर्ष-4 अंक-357 भोपाल, सोमवार 08 नवम्बर, 2021, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

ITDC

पंचांग

कार्तिक शुक्ल पक्ष
चतुर्थी, सोमवार, 22
विक्रम, संवत 2078

ITDC

मौसम

सूर्योदय/सूर्यास्त	6:29/5:39
वर्षा/बादल %	00 %
नमी %	37 %
वायु (किमी/घ.)	06
तापमान प्रातः/रात्रि (डिग्री से.)	

ITDC

स्वर्ण दर 24 कैरेट

प्रति 10 ग्राम/1तौला

₹ 49,540

केंद्र ने जायडस कैडिला की वैक्सीन के 1 करोड़ डोज खरीदने का ऑर्डर दिया

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने जायडस कैडिला की कोरोना वैक्सीन की 1 करोड़ डोज खरीदने का आदेश दिया है। माना जा रहा है कि जल्द ही इस टीके को देश के वैक्सीनेशन कैंपेन का हिस्सा बनाया जा सकता है। रिपोर्ट के मुताबकि, ZyCoV-D वैक्सीन शुरुआती तौर पर एडल्ट्स को लगाई जाएगी। ZyCoV-D देश में ही बनी तीन-डोज वाली नीडल-फ्री वैक्सीन है। साथ ही कोरोना के खिलाफ DNA पर आधारित यह पहला टीका है।

चुनाव में वोट की चोट से होगा सरकार का इलाज : राकेश टिकैत

पंजाब। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने रविवार को मेरठ में कहा कि यूपी में 2022 के विधानसभा चुनाव में अब ज्यादा समय नहीं है। किसान भूलने वाला नहीं है। पुलिस ने सत्ता के इशारे पर किसानों पर खूब लाठियां मारी हैं। आने वाले चुनाव में किसान वोट की चोट से बदला लेगा। सरकार की दवाई यानी वोट की चोट देकर इलाज करेगा। सरकार दूसरे तरीके से जीतने की कोशिश करेगी, लेकिन किसान किसी भी कीमत पर हार मानने वाला नहीं है।

मप्र में डेंगू के मरीज 12 हजार पार

भोपाल। मध्यप्रदेश में तेजी से फैल रहे डेंगू ने चिंता बढ़ा दी है। डेंगू मरीजों की संख्या 12 हजार के पार पहुंच गई है। नवंबर के शुरुआती दो दिन में 361 मरीज मिले हैं। ग्वालियर डेंगू का हॉटस्पॉट बना हुआ है। यहां 1 और 2 नवंबर को 72 मरीज मिले हैं। वहीं, कुल मरीजों की संख्या प्रदेश में सबसे ज्यादा 1,539 पहुंच गई है। मंदसौर में ग्वालियर के बाद 1,244 डेंगू मरीज मिले हैं।

भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक जारी : नड्डा बोले-

प्रधानमंत्री मोदी ने महामारी के बीच बोल्ड स्टेप लिए, इकोनॉमी को भी संभाला

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक दिल्ली स्थित ह्रष्ट्र कन्वेंशन सेंटर में चल रही है। बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्?डा समेत सभी बड़े नेता शामिल हैं। बैठक के दौरान पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ की। उन्होंने कहा कि क्क्रू मोदी ने महामारी के बीच बोल्ड स्टेप लिए, जिससे अर्थव्यवस्था को फायदा पहुंचा। राष्ट्रीय कार्यकारी समिति के उद्घाटन भाषण में नड्डा ने कहा कि लॉकडाउन जैसा कड़ा फैसला मोदी ने लिया और लॉकडाउन के तीन महीने के भीतर लोगों को सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। उन्होंने कहा कि मोदी एकमात्र ऐसे नेता हैं, जो देश के किसानों के हित के लिए प्रगतिशील नीतियां और कानूनों को लेकर आए हैं।

100 करोड़ कोरोना टीकाकरण की उपलब्धि पर बैठक में पीएम मोदी को भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षों ने सम्मानित किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने फ्रंट में आकर महामारी के दौरान नेतृत्व किया

नड्डा ने कहा कि कोविड से लड़ने के लिए तीन ञ्ज (ट्रैक, टेस्ट और ट्रीट) मेथड का पालन किया गया। उन्होंने कहा कि क्क्रू ने फ्रंट में आकर महामारी के खिलाफ जंग का नेतृत्व किया। प्रधानमंत्री ने आर्थिक चुनौतियों से निपटने के लिए सबसे अच्छा तरीका दुनिया को दिखाया। भाजपा प्रमुख ने हाल के चुनावों में वोट शेयर बढ़ने के लिए भी पार्टी की प्रशंसा की।

किसानों के लिए 1 लाख, 23 हजार करोड़ रुपए की व्यवस्था हुई

बैठक के दौरान केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि पीएम मोदी ने भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक का उद्घाटन किया है। इसमें एक अनोखी पहल हुई है, जिसमें सारे प्रतिभागियों का डिजिटल पंजीकरण हुआ है। बैठक में 342 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि जब 2014 में हमारी सरकार आई तो किसानों के लिए बजट में सिर्फ 23,000 करोड़ रुपए व्यय करने की व्यवस्था थी, लेकिन पिछली बार वित्त मंत्री ने जो बजट पेश किया, उसमें किसानों के लिए 1 लाख, 23 हजार करोड़ रुपए की व्यवस्था की गई।

5 राज्यों के विधानसभा चुनावों की तैयारी पर विशेष चर्चा

बता दें कि क्क्रू मोदी दोपहर 3 बजे बैठक को संबोधित करेंगे, जिसके बाद ही मीटिंग खत्म होगी। बैठक में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मणिपुर, गोवा और पंजाब के विधानसभा चुनावों की तैयारी पर विशेष चर्चा होनी है। साथ ही पार्टी के आगामी कार्यक्रमों को लेकर भी चर्चा होगी। कोरोना संक्रमण से जिन नेताओं और लोगों की असमय मौत हुई है, उन्हें श्रद्धांजलि दी जाएगी और शोक प्रस्ताव भी पारित होगा। इस दौरान टीकाकरण अभियान में 100 करोड़ से ऊपर का आंकड़ा पार किए जाने का भी जिक्र होगा और वैक्सीनेशन बढ़ाने को लेकर चर्चा होगी।

सफल वैक्सीनेशन कैंपेन की तारीफ में प्रस्ताव पास होगा

बताया जा रहा है कि बैठक में कोरोना महामारी से निपटने में केंद्र सरकार की कामयाबी को लेकर उसकी तारीफ में प्रस्ताव पारित होगा। वैक्सीनेशन कैंपेन, देश के विकास के लिए प्रधानमंत्री मोदी की पहल और उनकी सफल विदेश यात्रा की भी पार्टी प्रशंसा करेगी। इसके अलावा मीटिंग के दौरान देश की आर्थिक गतिविधियों में आए उछाल, रिकॉर्ड त्रस्ञ्ज कलेक्शन को लेकर भी चर्चा हो सकती है।

नवाब मलिक का नया आरोप : कहा-

आर्यन खान को किडनैप करने का मास्टरमाइंड है भाजपा नेता मोहित कंबोज; वह वानखेड़े का करीबी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज मुंबई

मुंबई क्रूज ड्रग्स मामले में राज्य के अल्पसंख्यक मंत्री और ह्रष्टक्र नेता नवाब मलिक ने फिर कुछ नए खुलासे किए हैं। उन्होंने रविवार को कहा कि इस ड्रग्स केस का मास्टरमाइंड भाजपा युवा मोर्चा का अध्यक्ष मोहित कंबोज उर्फ मोहित भारतीय है। उसके समीर वानखेड़े के साथ अच्छे संबंध हैं और उनके द्वारा 6 अक्टूबर को वानखेड़े पर आरोप लगाने के बाद दोनों के बीच 7 अक्टूबर को एक कब्रिस्तान के बाहर मुलाकात हुई थी। मलिक ने आरोप लगाया कि मोहित कंबोज पर 1100 करोड़ रुपए की बैंक धोखाधड़ी का आरोप था। वो पहले कांग्रेस में था, लेकिन सरकार बदलने के बाद वो बीजेपी में शामिल हो गया। मोहित कंबोज ने शनिवार को पीसी की थी और उसमें सुनील पाटिल नाम के

शख्स को इस केस का मास्टरमाइंड बताया था। मोहित ने पाटिल को ह्रष्टक्र नेता बताया था। मोहित के आरोपों पर मलिक ने कहा कि वह सुनील पाटिल से कभी नहीं मिले और न ही वह NCP का कोई नेता है। बता दें कि मोहित ने पाटिल को NCP का फाउंडर मेंबर बताया था। इस पर मलिक ने कहा कि पाटिल के फोटो गृहमंत्री अमित शाह के साथ हैं।

आर्यन का मामला अपहरण और फिरौती का है

मलिक ने कहा कि ये पूरा मामला अपहरण और फिरौती का है। आर्यन खान खुद टिकट खरीदकर क्रूज पर नहीं गए थे। उन्हें वहां प्रतीक गाबा और आमिर फर्नीचरवाला लेकर आए थे। वहां से आर्यन खान को किडनैप किया गया और 25 करोड़ रुपए की फिरौती मांगी गई। मोहित कंबोज फिरौती मांगने में वानखेड़े का पार्टनर है। उन्होंने आरोप लगाया कि आर्यन खान को ट्रैप किया, लेकिन एक सेल्फी ने पूरा खेल बिगाड़ दिया।

मोहित कंबोज के साथ मिलकर बॉलीवुड को डरा रहे वानखेड़ेः- नवाब मलिक ने आरोप लगाते हुए कहा कि मोहित कंबोज मुंबई में 11 होटल चलाता है। उन्होंने यह कहा कि वे जल्द ही वानखेड़े और मोहित कंबोज की मीटिंग के वीडियो जारी करेंगे। मलिक ने आगे कहा, वानखेड़े का नसीब अच्छा है कि पुलिस का CCTV बंद था, हमें उसका फुटेज नहीं मिल पाया और वानखेड़े साहब घबराहट में चले गए कि कोई उनका पीछा कर रहा है। वानखेड़े का एक ही खेल है कि ड्रग का धंधा चलता रहे। ड्रग माफिया को संरक्षण दिया जाए और उनसे उगाही की जाए। फिल्म जगत के लोगों को डराया जाए और उनसे हजारों करोड़ की उगाही की जाए, ये खेल वानखेड़े खेल रहे हैं।

भोपाल के थिएटर में रियल एक्शन

युवक ने लड़की को छेड़ा, लाइट ऑन होते ही हर दर्शक बन गया हीरो

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

भोपाल के संगम सिनेमा हॉल में रियल एक्शन देखने को मिला। यहां फिल्म सूर्यवंशी का आखिरी शो चल रहा था। रात पौने 12 बजे अक्षय और कटरीना का रोमांटिक सीन पर्दे पर आया। इसी दौरान एक युवक ने पीछे बैठी एक युवती को अश्लील इशारे किए और भद्दी हरकतें शुरू कर दीं। फिर क्या था, रियल फिल्म शुरू हो गई। पहले युवती ने सैंडल उतारकर उसे पीटना शुरू किया। इसके बाद दर्शक उस पर टूट पड़े। पहले सब ने थिएटर के अंदर युवक की धुनाई की और फिर थिएटर से बाहर निकाल कर भी पीटा। हालांकि, मामला थाने तक नहीं पहुंचा।

चेन्नई में 6 साल बाद इतनी बरसात : शनिवार से जारी बारिश से बाढ़ के हालात, डूबी सड़कों पर चलते नजर आए सीएम

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज चेन्नई

चेन्नई में शनिवार सुबह से हो रही बारिश के चलते बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। 2015 के बाद शहर में पहली बार इतनी अधिक बारिश हुई है। कई इलाकों में सड़कों और घरों के अंदर पानी भर गया है। प्रशासन ने रविवार को बाढ़ की चेतावनी जारी कर दी है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन बाढ़ प्रभावित इलाकों के दौरे पर हैं। वे पानी में डूबी सड़कों पर ही

चलकर लोगों के पास पहुंचे।

10 घंटे में 14 सेमी बारिश रिकॉर्ड की गई

शनिवार रात से रविवार दोपहर 1 बजे तक चेन्नई में 14 सेमी बारिश रिकॉर्ड की गई है। अन्ना नगर में लोगों को सुरक्षित स्थान पर ले जाया जा रहा है, वहीं अधिकारी चेंबाराबक्कम झील का पानी छोड़ने पर विचार कर रहे हैं। स्टेट वॉटर रिसोर्स अथॉरिटीज ने कांचीपुरम और तिरुवल्लुर के जिला अधिकारियों को सुझाव दिया है कि वे निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाएं। चेन्नई के वेलाचेरी फ्लाईओवर पर लोगों ने अपनी गाड़ियां पार्क कर रखी हैं। तमिलनाडु में उत्तर-पूर्व मानसून पिछले कुछ दिनों से एक्टिव है, जिससे राज्य में भारी बारिश हो

प्रियंका गांधी ने राहुल गांधी के साथ शेयर की फोटो; गृह मंत्री बोले- ये चुनाव के समय ही हिंदू बनते हैं!

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

मध्य प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने एक बार फिर गांधी परिवार को निशाने पर लिया है. दरअसल भाई दूज के दिन प्रियंका गांधी ने राहुल गांधी के साथ वाली एक पुरानी तस्वीर शेयर कर भाई दूज की शुभकामनाएं दी थीं. इस पर एमपी के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने निशाना साधा है. उन्होंने कहा कि मैं अभी तक नहीं समझ पाया हूं कि भाई दूज पर अगर भाई को टीका करते हुए तस्वीर आती तो क्या दिक्कत थी. भाई दूज की जो परंपरा है, उसकी तस्वीर डाल देते. कोई भी त्योहार हैं, लक्ष्मी पूजन करते हुए या भाई दूज पर टीका लगाते हुए कोई तस्वीर सामने नहीं आई. नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि वैसे

दत्तात्रेय हिंदू हैं, जनेऊधारी हैं, कश्मीरी हैं. ये बस चुनाव पर ही होते हैं, जो होते हैं लेकिन हमारे तीज त्योहारों और हमारी भावनाओं का गांधी परिवार ने कभी ध्यान नहीं रखा. बता दें कि प्रियंका गांधी ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर जो पोस्ट की थी, उसमें वह और राहुल गांधी दिखाई दे रहे हैं. ट्वीट में प्रियंका गांधी ने लिखा था कि मुझे गर्व और खुशी है कि मेरे भाई करुणा, प्रेम और साहस के साथ सच्चाई की लड़ाई लड़ रहे हैं. आप सभी को भाईदूज की हार्दिक शुभकामनाएं. ये तस्वीर उस समय की है, जब मेरे भाई ने निशानेबाजी की प्रतियोगिता में ढेर सारे मेडल जीते थे. गांधी परिवार ने कभी देश के तीज-त्यौहार और भारतीय संस्कृति का ध्यान नहीं रखा। प्रियंका गांधी के इस ट्वीट पर लोग खूब प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं. कुछ यूजर्स ने प्रियंका गांधी के इस पोस्ट की तारीफ की है, वहीं कई लोग उनकी आलोचना भी कर रहे हैं. मध्य प्रदेश से कांग्रेस विधायक लक्ष्मण सिंह ने भी प्रियंका गांधी के इस ट्वीट पर प्रतिक्रिया दी है. लक्ष्मण सिंह ने लिखा कि बहुत खूब!! हम भी निशानेबाज रहे हैं. स्कूल में मेडल जीता था. भेंट का समय दीजिए. मिलता ही नहीं है!! बता दें कि प्रियंका गांधी इन दिनों यूपी चुनाव की तैयारियों में जुटी हैं.

दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड

अर्थव्यवस्था, शिक्षा, नियोजन, उद्भव, पर्यावरण, मनोरंजन.

आपकी बात आपके साथ

आईटीडीसी Classifieds
वर्गीकृत एवं लघु विज्ञापन

ITDC-VACANCY
29 STATES
ATTENTION
Do continue reading

ITDC प्रॉपर्टी/बेचना

प्लाट बेचना है 1000 स्क्व्यर फीट स्वदेश नगर थाना अशोका गार्डन के पीछे भोपाल कांटेक्ट नंबर- 9893962422, 7000859059

Prime property sale at polytechnic Square 8000 Sqfeet arera colony 11000 Sqfeet Corner chunabhatti 18000 Sqfeet plot main road & 4000 Sq feet Belding corner please contact 7987423633

बेचना है जंहागीराबाद की प्राइम लोकेशन पर रम्भा सिनेमा के पास 1230 sqft प्लाट पे 2 मंजिला मकान 10 कमरों के साथ मात्र 53 लाख मे संपर्क करें 7835920099

तुरंत बेचना है 18 लाख मे 2 BHK घर, कवर्ड कैंपस ग्लेक्सी सिटी अवधपुरी में, हबीबगंज रेल्वे स्टेशन 6.5 K M दुरी संपर्क, 8889911680, 7611127324 ,7611106304

डुप्लेक्स मकान बेचना एसओएस बालग्राम वाली मैनरोड पर शिवलोक फेस-4 के पास कवर्ड कैंपस कॉलोनी में नया बना कीमत मात्र 30 लाख संपर्क 626444558, 6266978675.

बेचना है, डीप फ्रिज़र (वोल्टाज) ब्रांड न्यू 3 महीने पुराने, 500 ली. केपेसीटी (7 नग) रूपये 25000/- प्रति नग सम्पर्क 7000735468

For Immediate sale 2 BHK + furnished flat, vitrified tiles, modular kitchen, wardrobe, CCTV camera, parking, secured campus, Vardhman Green Park Ashoka garden call 9425028873

प्रोपर्टी खरीदना है भोपाल नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत प्लाट 1500-3000 Sqft, की ऑफिस चाहिये, 9451371422, 9329334701

5BHK + 3 Caqr parkings B1/501 (Brand new flat) For sale- Paras Urbane Park Bawadia kala (2Km from aura Mall)-(Saparate Servant Entry) 9893262222

5000 वर्गफीट का फार्महाउस बेचना फॉरचून लैंडमार्क मिसरोद से 2 किलोमीटर दूरी पर 30 फिट सीमेंट रोड पर कीमत 800 वर्गफीट 9174029757, 9340628575

ITDC प्रॉपर्टी/रेन्ट पर

With 2AC, 2 bhk fully furnished in Rohit Nagar Rent 14500/- Contact@ 8962643902, 8965979432.

1st Floor for rent in E1 Arera Colony. 3 BDHK. Attached backyard. 24 hours water supply & 1 car parking. Rent 24k/month. Priority for family. Mob. 9325522818

किराये से देना शॉप 670 स्क्वायर फीट शॉप नंबर-42 ग्राउंड फ्लोर की आकृति बिजनेस सेंटर, रोहित नगर मेन रोड, बावड़िया कला भोपाल मो 9993418989, 7000155290

किराये से देना है, MIG-198, इन्दीरा नगर (मकोडिया आम) आगर रोड, उज्जैन 1 BHK, लेटबाथ, सम्पूर्ण मकान खुला हुआ है 7000735468

For Rent Available 10no. main market, Arera colony, near SBL Main Road Front Ground Floor Showroom 756sqft Contact – 9893022224

2BHK फर्निश्ड ग्राउंड फ्लोर. किराये से देना है कवर्ड कैंपस वर्धमान ग्रीन पार्क कॉलोनी अशोका गार्डन 24घंटे पानी. पार्किंग सर्वसुबिधायुक्त, फैमिली को प्राथमिकता 9826225200

3BHK Semi furnished Corner flat for rent in E-8 Ext. Bawadia kalan Near aura mall secured campus with all morden amenities 9826974630

To-Let 2 BHK semi furnished flat at 5th floor 24 hrs security at mahadev Aparthment opp board office MP nagar Rent- 23000 Contact 8889996171

98 Rohit Nagar – 1, Big 2BHK ground floor of independent house with 24hrs water for service class , pure vegetarian family only. Contact – 9620020829, 9827328523

Tolet मैंन अयोध्या बाईपास रोड पर रिंगाल ट्रेजर के पास 3200 वर्गफुट कमर्शियल स्पेस रेस्टोरेंट, बैंक ऑफिस, शोरूम, कोचिंग 9993902345,9425008604

ITDC JOB आवश्यकता

Work from home part/full time work opportunity. Work (3-4), Students, Job person, housewives, businessman can apply. For more details call 9039890418, 9109793667

Urgently Requirement in Green Land Survey Sultaniya Road Kohefiza Bhopal. Work in Autocad Software 2D (Female), Total Station & DGPS Operator, Tally Calling (Female) Mob. 8435999875 (Mohammad Zeeshan)

ITDC घोषणायें

I, Vandana Sharma D/o Shri Rakesh Kushwah R/o Gram Bichhiya, Teh Nateran, Distt Vidisha, self-declare that my earlier name was Vandana Kushwah & after marriage it is changed to Smt Vandana Sharma W/o Shri Rajeev Sharma. Be known to all in general & concerned.

I, Mahendra Pal, (Army No. 15391408P), R/o Ujjain, declare that in my army record, my daughter name was entered as "BHOOMI PAL". This note is

ITDC व्यापार

मेकइन इंडिया ऊद्योग करें 15000/- - 56000/- प्रतिमाह कमाए 300 प्रकार क्र हार्डवेयर प्रोडक्ट बनाकर हमे बेचें माल लेनदेन कोर्ट एग्रीमेंट B - 30, गिरनारवेली अयोध्या बाइपास भोपाल 8827683225, 8349961787.

डिस्पोज़ल, चार्जर, कवर, मास्क, गिलास, चपल -जूता, कपडे की फेक्टरी लगवाएं (कचे मलाले तैयार मालदे) लाखों कमाए, ब्रांच फ्री 9050513766

स्वदेशी गृहउघोग लगायें सामान बनाकर हमें दें 10000/- से 45000/- तक घर के कार्य करके कमाये फ्री ट्रेनिंग, कोर्ट अग्रीमेंट के साथ 270/2, सक्तिनगर भोपाल 9111114876

Classifieds
98 26 22 00 22
मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

DISPLAY CLASSIFIEDS
10x04cms @ 5,000/-
05x04cms @ 3,000/-

RUNNING CLASSIFIEDS
Run on line @ 1,000/- (40words)
MonthlyROL @ 10,000/- (monthly)

MATRIMONY CLASSIFIEDS
4cms(W) x 10cms (H) @ 3,000/-
Run on line (40words) @ 1,000/-

OBITUARY/CONDOLENCE
8cms(W) x 10cms (H) @ 3,000/-
4cms(W) x 10cms (H) @ 2,000/-

Public/Court Notice 4x10 cm
@ 3000/- above length sqcm

ITDC JOB आवश्यकता

आवश्यकता है दुकान पर कार्य करने हेतु लड़के / लड़कियों की जो की दुकान पर से सेल्स कार्य कर सके वेतन योग्यतानुसार सम्पर्क – 9303130069, 9827494909

Urgent required Female Office Assistant, (Graduate) office in Maharana Pratap Nagar, Knowledge of computer (Excle) is must. Salary 8000/- Forward Biodata, Mobile :9111930111.

आवश्कता है सेल्समेन एवं मार्केटिंग मेनेजर की अनुभवी को प्राथमिकता स्वयं का दोपहिया आवश्यक, एवरेस्ट रिसोसेंज , होटल वाव, अयोध्या बायपास भोपाल संपर्क - 9206669999, 9425009983

ITDC शिक्षा

क्लास 9 से 12 तक मैथ्स एव फिजिक्स क्लासेस 25 वर्ष के अनुभवी प्रोफ़ेसर संजय कलरैय्या द्वारा मार्गदर्शन संपर्क D K 3 / 1/39 वेरोनिका अपार्टमेंट (नियर जैन मंदिर), दानिशकुंज कोलाररोड 9907390336, 9424454002

Spoken English Classes. Contact –The Proficient, FF-07, Dadaji Avenue, Above Raymond Showrox`om, Chuna Bhatti, Kolar Road, Bhopal. Mobile- 9993961503

CHEMISTRY by 19 Years Experienced Turor With M.Sc., B.Ed. For NEFT. JEE (Main+adv) (9,10,11,12 of ISC, ICSE, CBSE, MPBSE) with Free Counseling

ITDC सेवायें

मुद्रा फाइनेंस जनधन द्वार समस्त लोन 1,00,000- 90,00,000 तक 2% ब्याज 5% छूट पर महिलाओं हेतु विशेष छूट 8989273203

घर बैठे सोफा रिपेयरिंग सोफ़ा चेयर कारपेट ड्राईक्लीनिग, सोफ़ा का कपडा फॉमकुशन बदलवाए, नया सोफ़ा कुशल कारीगरों द्वारा बनवाये वुडनपोलिश, रुपेश 9893266312, 9039230380

वाटरहिट (प्रोफिंग प्रोसेस द्वारा अच्छी एस केमिकल्स, एसपेंट ट्रीटमेंट, प्रेशर ग्राउंडिंग हर मौसम सीपेज लीकेज नए पुराने बंगलो, छत, दीवाल कंपनी द्वारा करवाये| शासकीय, प्राइवेट हेतु मटेरियल उपलब्ध, धोखाधडी से सावधान 9827733954, 9406543722

Shop for Sale:
Inside Complex,
10x11 fts,
ground floor,
DIG Bungalow,
Berasia Road,
Bhopal
Mb 7000831264,
9752705333

To let Shop:
Inside Complex,
10x14 fts,
ground floor,
Arera Colony,
10 No Market,
Bhopal
Mb 7000831264,
9752705333

BOOK YOUR TICKET IN 60 SECONDS
AIR
TRAIN
BUS
JUST CLICK
www.bookmyticketonline.in

Job Openings
ITDC
VACANCIES

खबर की खबर

इंदौरः 200 वर्ष पुरानी परम्परा टूटने से बची, अंधेरे में पुलिस के हटते ही चले हिंगोट

शहर से करीब 65 किलोमीटर दूर गौतमपुरा में दीपावली के दूसरे दिन धोक पड़वा पर होने वाला परंपरागत हिंगोट युद्ध पुलिस और प्रशासन के सारे प्रयासों के बाद भी हुआ। बस सख्ती का असर यह रहा कि शाम से लेकर रात तक तो दोनों दलों के योद्धा आमने-सामने नहीं हुए, लेकिन शुक्रवार की रात करीब 11 बजे जैसे ही पुलिस और प्रशासन की टीम हटी तो दोनों दलों के दस-दस योद्धा मैदान में उतर आए और एक-दूसरे पर हिंगोट चलाए। इसके साथ 200 वर्षों से चली आ रही परम्परा टूटने से बच गई।

दरअसल, गौतमपुरा में 200 वर्षों से हिंगोट की परम्परा चली आ रही है। यहां दीपावली के दूसरे दिन दो गांवों के योद्धाओं के बीच गोला-बारूद से बने हिंगोट चलाए जाते हैं, जिसमें कई लोग घायल हो जाते हैं। इस बार कोरोना के चलते प्रशासन ने सख्ती से हिंगोट पर प्रतिबंध लगाया था। शुक्रवार को दिनभर कड़ा पहरा रहा और शाम तक पारंपरिक बड़े स्तर पर हिंगोट युद्ध नहीं हो सका। पुलिस ने युद्ध में शामिल होने वाले 32 लोगों को चिन्हित कर उनसे बांड भरवाया था। इसमें उन्हें चेतावनी दी गई है कि माहौल बिगड़ने पर वे जिम्मेदार होंगे। उन पर शांति भंग करने की कार्रवाई की जाएगी।

पारंपरिक हिंगोट युद्ध को रोकने के लिए पुलिस ने मैदान में अस्थायी चौकी बनाई थी। इसमें जिला प्रशासन के अधिकारी भी मौजूद थे। रास्ते में कई स्थानों पर पुलिस की चौकियां भी बनी थी और रास्ते भी बंद कर दिए थे। प्रशासन ने कोरोनाकाल का नाम लेकर हिंगोट युद्ध नहीं होने देने के लिए कमर कस ली और किसी को भी मैदान में जाने नहीं दिया गया। हालांकि शुक्रवार देर रात करीब 11 बजे जब पुलिस और जिला प्रशासन के अधिकारियों को यह पूर्णत: विश्वास हो गया कि अब हिंगोट युद्ध नहीं होगा तो सभी रवाना हो गए।

सूत्रों के मुताबिक अधिकारियों और पुलिस के जाते ही दोनों कलिंगा और तुर्रा की सेना के करीब दस-दस योद्धा मैदान में आ गए और एक-दूसरे पर हिंगोट चलाए गए। लगभग आधे घंटे तक युद्ध चला। हालांकि इन हिंगोट से कोई घायल नहीं हुआ। इस बार पुलिस की सख्ती देर रात युद्ध नहीं हुआ तो 200 वर्ष पुरानी परम्परा के टूटने का खतरा मंडराने लगा, लेकिन आधी रात को ग्रामीणों ने चोरी-छिपे परंपरा का निर्वाह कर ही दिया। हालांकि, किसी अधिकारी ने इस युद्ध की पुष्टि नहीं की है, क्योंकि बाद में पुलिस पहुंची तो यहां कोई भी नहीं मिला। इस पर सूचना मिलते ही काफी देर तक पुलिस मौके पर मौजूद रही और देर रात वापस लौट आई।

पिछले साल भी नहीं माने थे योद्धा

पिछले साल भी प्रशासन ने इसी तरह मैदान में अस्थाई चौकी बनाकर युद्ध रोकने का प्रयास किया था, लेकिन योद्धा माने नहीं और युद्ध शुरू कर दिया। युद्ध रोकने के दौरान पुलिस जवान रमेश गुर्जर की वर्दी जलने के साथ उन्हें मामूली चोट भी आई थी।

YES NO
BREAKING NEWS
खबर, केवल खबर होती है
आपका अखबार है
सटीक, सच्ची, सारगर्भित,
खबर की तह तक,
ख़बरें वही,
जो आपकी जरुरत
PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

न्यूज ब्रीफ

JLR को दूसरी छमाही में सेमीकंडक्टर की स्थिति में सुधार की उम्मीद

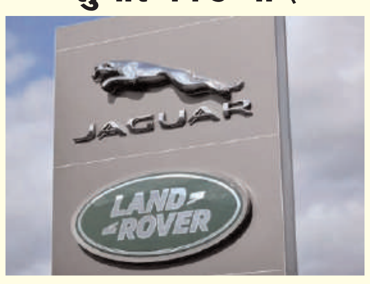

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स के स्वामित्व वाली जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) को उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष की शेष अवधि में सेमीकंडक्टर संकट को लेकर स्थिति में धीरे-धीरे सुधार आएगा। ब्रिटेन की बहुराष्ट्रीय वाहन कंपनी वैश्विक स्तर पर सेमीकंडक्टर की कमी से अपने परिचालन पर प्रभाव को सीमित रखने के लिए कदम उठा रही है। वाहन कंपनी ने सितंबर, 2021 में समाप्त तिमाही और छमाही के लिए अपनी अंतरिम रिपोर्ट में कहा है कि आगे चलकर सेमीकंडक्टर संकट की स्थिति क्या रहेगी इसका अनुमान लगाना कठिन है। ''जेएलआर को उम्मीद है कि वित्त वर्ष की दूसरी छमाही के बाद स्थिति में धीरे-धीरे सुधार आएगा।'' रिपोर्ट में कहा गया, ''सेमीकंक्टर की आपूर्ति अभी समस्या है लेकिन कंपनी इस स्थिति से निपटने के लिए कदम उठा रही हैं। कंपनी ऊंचे मार्जिन वाले वाहनों के उत्पादन को प्राथमिकता दे रही है और लागत का नजदीकी से प्रबंधन कर रही है।'' रिपोर्ट में कहा गया है कि जगुआर लैंड रोवर भविष्य में अपने वाहनों के लिए सेमीकंडक्टर की आपूर्ति को नियंत्रण में लाने के उपाय कर रही है। कोवेंट्री मुख्यालय वाली कंपनी ने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था कोविड-19 महामारी के प्रभाव से अब उबर रही है, लेकिन हाल के समय में विशेषरूप से दक्षिणपूर्व एशिया में संक्रमण फिर फैलने से आपूर्ति पर प्रभाव पड़ा है। इसके अलावा वित्तीय बाजार तो ऊपर जा रहे हैं लेकिन आर्थिक गतिविधियों से मुद्रास्फीतिक दबाव बढ़ रहा है। जिंस, बिजली, ढुलाई और मजदूरी जैसे कई क्षेत्रों पर मुद्रास्फीतिक दबाव का असर देखा जा रहा है। कंपनी ने कहा कि सेमीकंडक्टर की कमी की वजह से ज्यादातर बाजारों में यात्री कारों की आपूर्ति प्रभावित हुई है।

वॉट्सऐप में बड़ा अपडेट : अब कई डिवाइस पर अकाउंट लॉगइन कर पाएंगे, इंटरनेट बंद होने पर भी लॉगआउट नहीं होगा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

यूजर्स के एक्सपीरियंस को बेहतर बनाने के लिए वॉट्सऐप में नया अपडेट आया है। इस अपडेट के बाद यूजर अपने अकाउंट को मल्टी-डिवाइस में एक्सेस कर पाएंगे। दरअसल, कंपनी ने मल्टी डिवाइस फीचर को रोलआउट कर दिया है। आसान शब्दों में कहा जाए तो अब आप अपने वॉट्सऐप को एक साथ कई डिवाइस पर चला पाएंगे। इस फीचर की मदद से यूजर अपने वॉट्सऐप अकाउंट का लॉगइन स्मार्टफोन के साथ लैपटॉप, टैबलेट या किसी दूसरे डिवाइस पर कर पाएंगे। इतना ही नहीं, इन अकाउंट में लॉगइन रखने के लिए इंटरनेट की भी जरूरत नहीं होगी। नए फीचर का इस्तेमाल एंड्रॉयड और iOS दोनों यूजर्स कर पाएंगे।

लॉगइन बनाए रखे के लिए इंटरनेट जरूरी नहीं

पहले web.whatsapp.com से जब डेस्कटॉप पर लॉगइन किया जाता था तब इंटरनेट का होना जरूरी होता था। साथ ही अपने स्मार्टफोन में भी इंटरनेट ऑन रखना पड़ता था, लेकिन अब यूजर अपने प्राइमरी डिवाइस यानी स्मार्टफोन के बिना भी दूसरे डिवाइस पर अकाउंट एक्सेस कर पाएंगे। वेब यूजर्स स्मार्टफोन के बिना इंटरनेट कनेक्शन पर मैसेज सेंड और रिसीव कर पाएंगे। इसके लिए यूजर को बीटा प्रोग्राम में शामिल होना होगा।

web.whatsapp.com पर लॉगइन की प्रोसेस

जब आप वॉट्सऐप की सेटिंग में जाकर Linked Devices पर जाते हैं, तब नीचे की तरफ मल्टी-डिवाइस बीटा होना चाहिए। अब ख्रढ्ढद्म छ्वद्ग1द्बष्द्ग पर टैब करें। ऐसे करने से आपके सामने कैमरा ओपन हो जाएगा। अब जिस डिवाइस पर वॉट्सऐप को ओपन करना है वहां पर web.whatsapp.com ओपन करें। यहां आपको एक ह्नक्रकोड नजर आएगा, उसे फोन कैमरा से स्कैन करें। आपका वॉट्सऐप अकाउंट उस डिवाइस प लॉगइन हो जाएगा। इसी तरह आप दूसरे डिवाइस पर भी अपने वॉट्सऐप अकाउंट को ओपन कर सकते हैं।

स्टोक पार्क से बिजनेस को बढ़ावा

अमीरों का बेस है लंदन, वहीं से स्पोर्ट्स और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में बड़ा दांव खेलना चाहते हैं मुकेश अंबानी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी स्पोर्ट्स और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में बड़ा दांव खेलने जा रहे हैं। हालांकि, उनका यह दांव नया नहीं है। वे इस सेक्टर में पहले से अपने बिजनेस चला रहे हैं। हाल में लंदन की प्रॉपर्टी को लेकर जो खबरें आ रही हैं, वह उनकी भविष्य की योजनाओं को लेकर है। दरअसल, मुकेश अंबानी ने लंदन के बकिंघमशायर में 300 एकड़ की प्रॉपर्टी ली है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के मुताबिक, कंपनी ने इसी साल अप्रैल में इस प्रॉपर्टी को खरीदा था। इसमें होटल, स्पोर्ट्स इन्फ्रास्ट्रक्चर और यूरोप में सबसे ज्यादा रेटिंग वाला गोल्फ कोर्स भी है। रिलायंस इंडस्ट्रियल निवेश के लिहाज से इस हैरिटेज साइट को स्पोर्ट्स और लेजर फैसिलिटी के तौर पर बढ़ाने पर फोकस करेगी। ग्रुप ने पहले से ही श्वढ्ढ॥ (ओबेरॉय होटल, मुंबई) में निवेश किया हुआ है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी स्पोर्ट्स और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में बड़ा दांव खेलने जा रहे हैं। हालांकि, उनका यह दांव नया नहीं है। वे इस सेक्टर में पहले से अपने बिजनेस चला

रहे हैं। हाल में लंदन की प्रॉपर्टी को लेकर जो खबरें आ रही हैं, वह उनकी भविष्य की योजनाओं को लेकर है। दरअसल, मुकेश अंबानी ने लंदन के बकिंघमशायर में 300 एकड़ की प्रॉपर्टी ली है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के मुताबिक, कंपनी ने इसी साल अप्रैल में इस प्रॉपर्टी को खरीदा था। इसमें होटल, स्पोर्ट्स इन्फ्रास्ट्रक्चर और यूरोप में सबसे ज्यादा रेटिंग वाला गोल्फ कोर्स भी है। रिलायंस इंडस्ट्रियल निवेश के लिहाज से इस हैरिटेज साइट को स्पोर्ट्स और लेजर फैसिलिटी के तौर पर बढ़ाने पर फोकस करेगी। ग्रुप ने पहले से ही श्वढ्ढ॥ (ओबेरॉय होटल, मुंबई) में निवेश किया हुआ है।

बिजनेस के लिए होगा प्रॉपर्टी का उपयोग

रिलायंस का कहना है कि इस प्रॉपर्टी का पूरा इस्तेमाल बिजनेस के नजरिए से ही किया जाएगा। आगे चलकर अगर मुकेश अंबानी किसी और बिजनेस में जाना चाहते हैं तो उनके लिए इसमें आसानी होगी। हालांकि, दूसरा पहलू यह भी है कि लंदन को भारतीय अमीर बेस के रूप में इस्तेमाल करते हैं। स्टील किंग लक्ष्मी मित्तल, वेदांता के अनिल अग्रवाल का लंदन हमेशा से मजबूत बेस रहा है।

फिल्मों की शूटिंग और अवॉर्ड फंक्शन भी हो सकते हैं

स्टोक पार्क होटल में पहले से हॉलीवुड फिल्मों और वेब सीरीज की शूटिंग होती रही है। इसलिए आगे भी इसका इस्तेमाल फिल्मों की शूटिंग या फिर बड़े अवॉर्ड फंक्शन के लिए हो सकता है।

लंदन से 35 मिनट की दूरी पर है स्टोक पार्क:- अंबानी ने इसी साल अप्रैल में 300 एकड़ जमीन में फैली इस प्रॉपर्टी को खरीदा था। इसे अभी डेवलप किया जा रहा है। यह जगह लंदन के बकिंघमशायर में है। स्टोक पार्क लंदन से 35 मिनट की दूरी पर है। इसमें 49 बेडरूम हैं। 27 गोल्फ कोर्स और स्पा हैं। 13 टेनिस कोर्ट हैं और जिम हैं। ये आलीशान महल 1908 तक एक प्राइवेट रेसिडेंस हुआ करता था। ब्रिटेन के बकिंघमशायर में स्टोक पार्क असल में 900 साल पुरानी प्रॉपर्टी है। यहां पर कई फिल्मों की शूटिंग भी हो चुकी है। इसमें 1964 में जेम्स बॉन्ड की गोल्ड फिंगर, 1997 में टुमारो नेवर डाइज और 2001 में आई फिल्म ब्रिजेट जोन्स डायरी की शूटिंग हुई थी।

बिजली क्षेत्र को कोयले की आपूर्ति अक्टूबर में 27 प्रतिशत बढ़कर 5.97 करोड़ टन पर

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

बिजली क्षेत्र को कोयले की आपूर्ति अक्टूबर में 27.13 प्रतिशत बढ़कर 5.97 करोड़ टन पर पहुंच गई। आयात कीमतों में जबर्दस्त बढ़ोतरी के बीच बिजली की मांग बढ़ने से क्षेत्र को कोयले की आपूर्ति में बढ़ोतरी हुई है। देश के कई ताप बिजली संयंत्र इस समय कोयले की कमी से जूझ रहे हैं। पिछले साल अक्टूबर में बिजली क्षेत्र को कोयले की आपूर्ति 4.68 करोड़ टन रही थी। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले महीने स्पॉन्ज आयरन क्षेत्र को कोयले की आपूर्ति में हालांकि 29.2 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 6.5 लाख टन से घटकर 4.6 लाख टन पर आ गई। सीमेंट क्षेत्र को कोयले की आपूर्ति 6.8 लाख टन से 4.7 लाख टन रह गई। इस्पात और सीमेंट के अलावा अन्य क्षेत्रों को भी कोयले की आपूर्ति घटकर 41.9 लाख टन रह गई, जो एक साल पहले समान महीने में 67.1 लाख टन थी। केंद्रीय कोयला मंत्री प्रह्लाद जोशी ने हाल में कोल इंडिया और उसकी अनुषंगियों को यह सुनिश्चित करने को कहा था कि नवंबर के अंत तक ताप बिजली घरों के पास कम से कम 18 दिन का कोयला भंडार रहे। घरेलू कोयला उत्पादन में कोल इंडिया की हिस्सेदारी 80 प्रतिशत से अधिक है। कोल इंडिया अस्थायी रूप से बिजली उत्पादकों को कोयले की आपूर्ति में प्राथमिकता दे रही है। जोशी ने सार्वजनिक क्षेत्र की कोयला कंपनियों के प्रमुखों को इसे हासिल करने के लिए संशोधित लक्ष्य निर्धारित करने और विस्तृत रणनीति बनाने को भी कहा था।

इंडीगो अब इस रूट के लिए भी शुरू कर रही है फ्लाइट

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो 10 नवंबर से अहमदाबाद-रांची मार्ग पर उड़ानों का संचालन शुरू करेगी। कंपनी ने शनिवार को जारी बयान में बताया कि अहमदाबाद-रांची मार्ग पर उसकी उड़ानें सप्ताह में चार दिन संचालित होंगी। अगर आप भी इस रूट पर काफी आते-जाते हैं तो ये नई फ्लाइट का शुरू होना आपके लिए बड़ी खुशखबरी है।

हाल ही में शुरू की हैं ये उड़ानें

गत एक नवंबर से अहमदाबाद-जोधपुर के बीच उसकी उड़ानें शुरू हो चुकी हैं। इसके अलावा इंडिगो ने दो नवंबर से बेंगलुरु-राजकोट, कोलकाता-कोयंबटूर, दिल्ली-त्रिवेंद्रम और डिब्रूगढ़-दिमापुर मार्गों पर भी अपनी उड़ानें शुरू कर दी हैं। घरेलू विमानन बाजार में 57.5 फीसदी हिस्सेदारी रखने वाली इंडिगो ने गत सितंबर में 22.66 लाख यात्रियों का परिचालन किया था।

कानपुर से दिल्ली, हैदराबाद, बेंगलुरु और मुंबई के लिए सीधी फ्लाइट

1 नवंबर से एयरलाइन कंपनी इंडिगो ने कानपुर से चार नई फ्लाइट शुरू की हैं। इसकी जानकारी खुद केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सितंबर के आखिरी सप्ताह में ही ट्वीट कर के दी थी। ट्वीट में सिंधिया ने लिखा था- %कानपुर वासियों के लिए बड़ी सौगात! @IndiGo{E के सहयोग से कानपुर को मुंबई, हैदराबाद और बेंगलुरु महानगरों से हवाई सेवाओं से 1 नवंबर को जोड़ा जा रहा है। यात्रियों के लिए सुलभता के साथ-साथ, ये महत्वपूर्ण सेवाएं कानपुर के लिए आर्थिक विकास के नए अवसर लेकर आएंगी।

अगली तिमाही से हमें सुधार के आसार

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

पीएनबी हाउसिंग फाइनैंस के मुख्य कार्याधिकारी हरदयाल प्रसाद ने निकुंज ओहरी के साथ एक साक्षात्कार में बताया कि कंपनी अपनी अल्पावधि और दीर्घावधि पूंजी जरूरतें पूरी करने के लिए तैयार है। वह अपना किफायती आवासीय पोर्टफोलियो बढ़ाने के लिए टियर-2 और टियर-3 शहरों में अपनी उपस्थिति का विस्तार करने की भी संभावना तलाश रही है। ब्याज आय में गिरावट की वजह से गैर-बैंकिंग ऋणदाता का शुद्ध लाभ जुलाई-सितंबर में 25 प्रतिशत घटा। पेश हैं उनसे हुई बातचीत के मुख्य अंश- हमने वर्ष 2019 में अपनी कारपोरेट बुक में कमी लाने का निर्णय लिया, जिसकी वजह से 44 प्रतिशत की गिरावट आई। यह ज्यादा प्रतिफल वाला बहीखाता था, लेकिन जोखिम भी थे। इसलिए, आय इस सेगमेंट में घट रही थी। आय में कमी आई है, लेकिन खर्च पर दबाव नहीं पड़ा है। ब्याज दरों में गिरावट शुरू हुई है और इसे लेकर स्थिति चुनौतीपूर्ण भी हुई है।

क्या आपका पूरा ध्यान रिटेल सेगमेंट पर रहेगा?

आठ तिमाहियों से रिटेल सेगमेंट पर, हमारा पोर्टफोलियो घा है, लेकिन इस तिमाही में सपाट वृद्धि रही। हम रिटेल बुक के संदर्भ में अगली तिमाही से वृद्धि देखना शुरू करेंगे। ऋण वितरण में 68 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और इसमें से 96 प्रतिशत रिटेल सेगमेंट से है। अगली तिमाही से हम या तो मामूल या फिर जीरो वृद्धि दर्ज करेंगे। हमने अफोर्डेबल हाउसिंग यानी किफायती आवास खंड पर ध्यान देने के लिए जनवरी में एक वर्टिकल बनाया। हमने 6 शाखाएं (अफोर्डेबल हाउसिंग के लिए) खोलीं और अन्य सात को दिसंबर तक खोला जाएगा।

बीते सप्ताह सोना 104 और चांदी 705 रुपए सस्ती

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज मुंबई

वैश्विक बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर धनतेरस और दीपावली त्योहार होने के बावजूद ग्राहकी सुस्त पड़ने से बीते सप्ताह घरेलू सर्राफा बाजार में सोना 104 रुपए प्रति दस ग्राम और चांदी 705 रुपए प्रति किलोग्राम सस्ती रही। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना हाजिर 7.95 डॉलर प्रति औंस चढ़कर सप्ताहांत पर 1794.26 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। साथ ही अमेरिकी सोना वायदा भी 13.9 डॉलर प्रति औंस की तेजी लेकर 1797.30 डॉलर प्रति औंस रहा। वहीं, सप्ताहांत पर चांदी हाजिर 0.07 डॉलर फिसलकर 23.75 डॉलर प्रति औंस रह गई। बीते सप्ताह धनतेरस और दिवाली पर्व होने के बावजूद घरेलू सर्राफा बाजार में ग्राहकी सुस्त रही। विश्लेषकों ने कहा कि उम्मीद की जा रही थी कि इस बार का धनतेरस सर्राफा बाजार में बहार लेकर आएगा लेकिन ग्राहकी सुस्त रहने से सोना और चांदी के दाम गिर गए हैं। हालांकि कीमती धातुओं में आने वाले दिनों में तेजी आने की उम्मीद बनी हुई है। सप्ताहांत पर देश के सबसे बड़े वायदा बाजार एमसीएक्स में सोना 104 रुपए कमजोर होकर 47472 रुपए प्रति दस ग्राम और सोना मिनी 534 रुपए गिरकर 46961 रुपए प्रति दस ग्राम रहा। समीक्षाधीन अवधि में स्थानीय स्तर पर चांदी भी 705 रुपए सस्ती होकर 63664 रुपए प्रति किलोग्राम और चांदी मिनी 666 रुपए लुढ़ककर 63879 रुपए प्रति किलोग्राम रह गई।

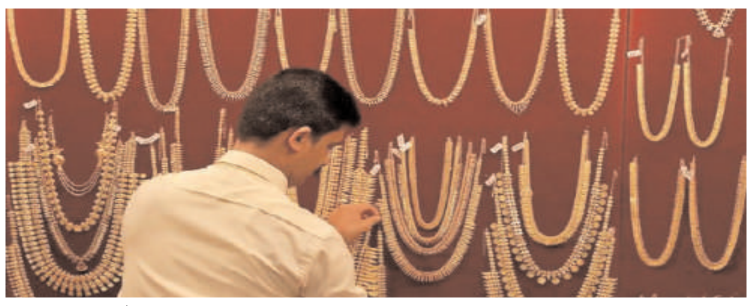

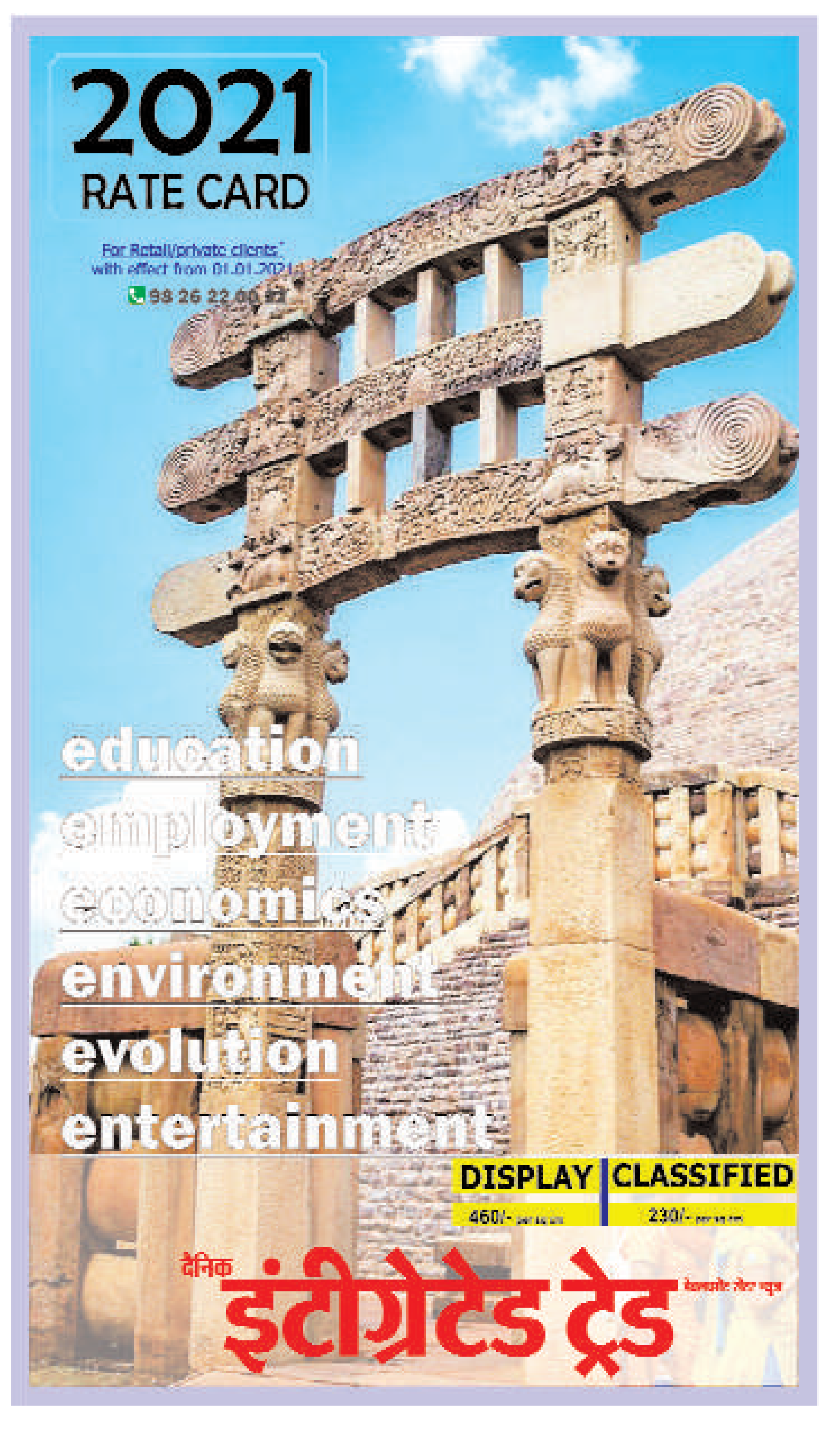

हम कैसे भूल जाएंगे वह दौर

देश को अग्रिम पंक्ति में खड़े कोरोना से लड़ने वाले अपने स्वास्थ्यकर्मियों पर गर्व है, जिन्होंने सबसे भीषण महामारी को मात देते हुए कोविड-19 वैक्सीन के 100 करोड़ से ज्यादा टीके लगाए। हम उनके आभारी हैं! साथ ही हम ऋणी हैं अपने वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, चिकित्साकर्मियों और वैक्सीन उत्पादकों के। हम कृतज्ञ हैं, उनके त्याग और बलिदान के लिए, जिस तरह से उन्होंने देश के नागरिकों को जानलेवा वायरस से बचाने के लिए हर परिस्थिति का डटकर सामना किया।

यह सब संभव हो सका भारत में दशकों के अथक परिश्रम से खड़ी की गई वैक्सीन उत्पादन क्षमता, वैज्ञानिकों के शोध कौशल और लगातार जुटाए गए संसाधनों की मदद से। बरसों से भारत को 'दुनिया की फार्मेसी' के रूप में जाना जाता है। विज्ञान और भारतीय प्रतिभा की यह सफलता 1970 के पेटेंट कानून के बिना संभव नहीं हो सकती थी, जिसने हमारे दवा और फार्मास्युटिकल उद्योग की नींव रखी और भारत ने दवा व वैक्सीन निर्माण के क्षेत्र में दुनिया के प्रतिष्ठित निर्माताओं में अपनी जगह बनाई। परंतु मोदी सरकार ने कोरोना महामारी से निपटने के लिए जो रवैया और नीति अपनाई, वह बेहद दुखद व दुर्भाग्यपूर्ण था। देश के मन में अभी भी वे सारी तस्वीरें ताजा हैं, जब कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर अपने चरम पर थी और मोदी सरकार की आपराधिक लापरवाही की वजह से लगातार नागरिकों की जिंदगियां जा रही थीं। यह अब भी समझ से परे है कि कोई सरकार कैसे इतनी निष्क्रिय रह सकती है कि कोरोना की दूसरी लहर की अनेक चेतावनियों के बावजूद उससे निपटने की सारी तैयारियां दरकिनार कर दे? क्या यह भुलाया जा सकता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले साल अप्रैल में मुख्यमंत्रियों के सामने यह घोषणा कर दी थी कि 'हमने वैक्सीन के बिना ही कोरोना को हरा दिया?' उनकी इस सोच का परिणाम क्या हुआ? वैक्सीन की खरीद को प्राथमिकता नहीं दी गई। संक्रमण फैलने की स्थिति में ऑक्सीजन की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करने में आने वाली जरूरी अड़चनों का समाधान समय रहते नहीं किया गया। बड़े-बड़े शब्दों का आडंबर व दावे करना प्रधानमंत्री का स्वभाव बन गया है। यदि हम 100 करोड़ वैक्सीन लगाने में सफल हुए हैं, तो इसका श्रेय जाता है उन डॉक्टरों, नर्सों और वैक्सीन लगाने वाले स्वास्थ्यकर्मियों को, उन निर्माताओं व वितरकों को, जिन्होंने ओवरटाइम करके वैक्सीन का उत्पादन व वितरण किया, न कि सरकार में बैठे उन लोगों को, जो वैक्सीन की व्यवस्था और वितरण युद्धस्तर पर करने में नाकाम साबित हुए। उस भयावह मुश्किल समय में प्रधानमंत्री और गृह मंत्री एक तरह से गायब हो गए थे और दूर-दूर तक उनका नेतृत्व व आवाज सुनाई ही नहीं देती थी। परंतु, जैसे ही स्थिति सुधरी, वे फिर सामने आ गए। यह बिल्कुल वैसा ही था, जैसा महामारी की पहली लहर के समय हुआ था, जब अचानक से लॉकडाउन की घोषणा किए जाने के बाद लाखों प्रवासी मजदूरों को बेसहारा उनके हाल पर छोड़ दिया गया। उन्हें भूखे-प्यासे हजारों किलोमीटर पैदल चलकर अपने-अपने गांव जाने को मजबूर किया गया। यदि हम उन लाखों लोगों को भूल गए, जिन्होंने असीम पीड़ा सहकर अपनी जान गंवा दी, तो यह उनके साथ और देश के साथ भी बहुत बड़ी नाइंसाफी होगी। हम ऑक्सीजन के लिए तड़पते मरीजों, गिड़गिड़ाते परिवारजनों, अस्पतालों के बाहर बिस्तर के लिए इंतजार करते असहाय लोगों के हृदय विदारक दृश्यों को कैसे भूल सकते हैं? हमें पानी में बहते और घाटों पर हजारों की संख्या में पड़े शवों के निर्मम दृश्य को सदा याद रखने की जरूरत है। यह इसलिए जरूरी है, ताकि दोबारा फिर कोई सरकार ऐसी निर्दयता और लापरवाही करने की हिमाकत न कर सके। सरकार की लापरवाही की वजह से हम आज भी महामारी में मरने वाले लोगों की सही-सही संख्या नहीं जानते। केंद्र सरकार ने उन मृतकों के परिवारों को अब तक कोई मुआवजा तो नहीं दिया, पर यह जरूर हुआ कि सत्ता में बैठे हुक्मरान दोगुने प्रभाव से अपनी गलतियों पर परदा डालने लगे और दूसरों पर आरोप मढ़ने की कोशिश करने लगे। सरकार को यह गलतफहमी है कि उसके नकार देने से लोग अपनी पीड़ा के लिए उसे माफ कर देंगे।

हमारा वैक्सीनेशन अभियान और ज्यादा तेजी से चला होता, अगर केंद्र सरकार सही सुझाव सुनती। अन्य देशों में हो रही वैज्ञानिक प्रगति का संज्ञान लेती और पर्याप्त वैक्सीन खरीदने के लिए समय पर निर्देश देती। दूसरी लहर के प्रकोप ने दिखाया कि केंद्र सरकार की वैक्सीनेशन-नीति कितनी गलत थी। लेकिन गलतियां निरंतर बढ़ती गईं और मोदी सरकार की त्रुटिपूर्ण वैक्सीन खरीद नीति के कारण नकदी की कमी से जूझ रहे राज्य वैक्सीन की खरीद व आपूर्ति के लिए एक-दूसरे के ही प्रतिद्वंद्वी बन गए। राज्य सरकारों, सुप्रीम कोर्ट, विपक्षी दलों, वैज्ञानिक समुदाय और सिविल सोसायटी के दबाव ने कुछ हद तक सरकार की गलतियों पर अंकुश लगाया। यह बात समझ से परे है कि मोदी सरकार अब भी कोरोना के खिलाफ देश की लड़ाई को एक इवेंट मैनेजमेंट का मौका क्यों समझती है? प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर दो करोड़ से ज्यादा टीके लगाने का लक्ष्य पूरा किया गया।

संपादकीय

बस, यह उल्लास बना रहे

इस दिवाली दुनिया भर के हिंदू परिवार जब मांगलिक कार्यों के अधिष्ठाता गणेश और धन-धान्य की देवी लक्ष्मी का पूजन करने बैठे होंगे, तब उनके मन में क्या कामना रही होगी? शायद यही- हे लंबोदर, हमें और हमारे परिवार को कोरोना जैसी महाबला से बचाकर रखना। मां लक्ष्मी से उन्होंने गुहार लगाई कि जैसी पिछली दिवाली बीती, वैसी अब कभी न बीते। इस बार हमारी जेब खाली न रहे।

भारत में कोरोना के गिरते मामले और चढ़ते बाजार इन भक्तजनों को आस बंधाने के लिए काफी हैं। इस पर सटीक भविष्यवाणी असंभवप्राय है कि भारतीय अर्थव्यवस्था इस साल कितनी ऊंची और कारगर छलांग लगाएगी, पर महंगाई से बेहाल भारत के महान मध्यवर्ग के लिए जरूर कुछ अच्छी, तो कुछ बुरी खबरें हैं। शुरुआत अच्छी खबर से करते हैं। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (सीएमआईई) के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, बीते सितंबर के दौरान देश में 85 लाख नौकरियों की बढ़ोतरी हुई। मार्च 2020 में कोविड का प्रकोप शुरू होने के बाद से पहली बार इतनी संख्या में रोजगार उत्पन्न हुए हैं। इसी का नतीजा है कि बेरोजगारी दर 1.5 प्रतिशत घटकर 6.9 फीसदी पर सिमट गई है। यह आंकड़ा सितंबर, 2019 के मुकाबले थोड़ा ही पीछे है।

जीएसटी संग्रह के आंकड़े भी उम्मीद बंधाते हैं। इनमें लगातार बढ़ोतरी दर्ज की गई है और मौजूदा एक लाख 30 हजार करोड़ का आंकड़ा यकीनन कुछ महीनों में अपने ही कीर्तिमान तोड़ता नजर आएगा। धनतेरस और दिवाली पर बाजारों में उमड़ी भीड़ इस तथ्य की ताकीद करती है। आवासीय संपत्तियों के क्षेत्र में भी पिछली तिमाही में 13 फीसदी की बढ़ोतरी हुई और इसी के साथ नए प्रोजेक्ट की लांचिंग में जबरदस्त वृद्धि आंकी गई है। यहां मैं जान-बूझकर शेयर बाजार की बात नहीं कर रहा। उसकी जबरदस्त उछाल ने जहां लोगों को हैरत में डाल दिया है, तो वहीं कई सवाल भी खड़े कर दिए हैं। क्या हमारा शेयर बाजार वाकई आम हिन्दुस्तानी की आवश्यकताओं और आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करता है?

ऐसे तमाम प्रश्न हैं, जो इन गुलाबी आंकड़ों की आभा पर ग्रहण लगा देते हैं। सीएमआईई के ही अनुसार, इसी अक्तूबर में 6.4 लाख लोगों को नौकरियां गंवानी पड़ीं। एक अन्य रिपोर्ट कुछ महीने पहले छपी थी, जिसके अनुसार गुजरी अप्रैल-मई में दो करोड़ से अधिक लोगों को नौकरी से हाथ धोना पड़ा था। 'जॉब मार्केट' में इन दिनों यकीनन सुधार आया है, पर लड़खड़ाते लघु और मध्यम दर्जे के उद्योग इसे अगले मुकाम तक ले जाने की सामर्थ्य नहीं संजो पा रहे हैं। ये आंकड़े साबित करते हैं कि अगर किसी सेक्टर में रोजगार बढ़े हैं, तो कुछ क्षेत्रों में लोगों की नौकरियों पर कुठाराघात भी हो रहा है। बेरोजगारों से पटे पड़े इस मुल्क में जरूरत के मुताबिक रोटी-रोजगार के समुचित अवसर कब पैदा किए जा सकेंगे?

जबरदस्त महंगाई ने भी मध्यवर्ग की कमर तोड़ रखी है। केंद्र सरकार की पहल पर हर रोज बढ़ रही डीजल-पेट्रोल की कीमतों में कटौती की गई है, मगर यह कितनी कारगर साबित होगी? खाना पकाने की गैस हो या भोजन के लिए जरूरी सरसों का तेल, सबमें आग लगी हुई है। त्योहारों के मौसम में सब्जियों की महंगाई ने लोगों को अपनी थालियां इस बार हल्की रखने पर मजबूर कर दिया। 'ग्लोबल हंगर इंडेक्स' भी इस हकीकत की मुनादी करता है। भारत इस इंडेक्स में पाकिस्तान और नेपाल तक से नीचे पहुंच चुका है।

अक्सर आरोप लगाया जाता है कि विदेशी सर्वेक्षण एजेंसियां हमारी जमीनी हकीकतों से रूबरू नहीं होतीं और उनके मानक इस तरह गढ़े जाते हैं कि विकासशील देशों की उपलब्धियां कमतर दिखाई पड़ें। यह अर्द्धसत्य है। 'नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे' भी 'ग्लोबल हंगर इंडेक्स' को आधार प्रदान करता दीखता है। सर्वेक्षणकर्ताओं ने 17 प्रदेशों में गहन शोध के बाद पाया कि इनमें से 11 में कुपोषण के मामलों में चौंकाने वाली बढ़ोतरी हुई है। गरीब-गुरबा बिहार हो या अमीर गुजरात, दोनों जगह हालत चिंताजनक है। यहां 40 फीसदी तक बच्चे कुपोषण के शिकार हैं। जब नई उम्र की नई फसल ही पर्याप्त पोषण न मिलने से कुम्हला जाएगी, तब हमारे आने वाले कल का क्या होगा?

ऐसा नहीं है कि सिर्फ भारत में ही यह बेजारी फैली हुई है। धरती के स्वर्ग अमेरिका की बात करते हैं। वहां 'सेंटर ऑन बजट ऐंड पॉलिसी प्रॉयोरिटीज'(सीबीपीपी) ने पाया कि अमेरिका में 12 प्रतिशत लोगों को पर्याप्त भोजन नहीं मिल पा रहा है। 16 फीसदी अमेरिकियों के पास मकान का किराया चुकाने तक के लिए धन नहीं है। यही नहीं, इस महादेश में लगभग एक तिहाई लोग ऐसे हैं, जो अपना रोजमर्रा का खर्च उठाने में असमर्थ हैं। भारत के दलित, अल्पसंख्यक और आदिवासियों की भांति वहां भी अश्वेत और लातिनी परिवारों की स्थितियां ज्यादा भयावह हैं। अमेरिका अकेला नहीं है। यूरोप के धनी-मानी देश जर्मनी में असमानता तेजी से पैर पसार रही है। पिछले दिनों बर्लिन में आवासीय किरायों में अवांछित बढ़ोतरी के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन हुए। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि हमारे मकान मालिकों ने किराया तो 30 से 40 फीसदी तक बढ़ा दिया है, पर आवासों के रखरखाव पर उनका कोई ध्यान नहीं है।

जगमग घर को देखने का सुख

दिवाली का एक उत्साह यह भी होता कि उन दिनों हमलोगों के नाटक का रिहर्सल चला करता। छठ के 'परना' (सुबह का अर्घ्य जिस दिन दिया जाता) के दिन नाटक खेला जाता। दिवाली को हमलोग 'रिहर्सल ब्रेक' लेते थे। तय होता था कि दीया जलाने के बाद 11 बजे रात से रिहर्सल करेंगे। भले एक घंटे के लिए ही सही। एक उमंग होती थी उन दिनों। नहीं भूलना चाहिए कि यह पूरा समय त्योहारी होता है। दशहरा, दिवाली, गोधन कुटाई, छठ- सब पर्व लगातार आते हैं। गोधन कुटाई के बाद से तो हमारे यहां लगन की शुरुआत हो जाती है। उन दिनों दूल्हा देखने का काम खूब होता था। अगुवा आने लगते थे। गांव का हर लड़का, जो शादी के लिए तैयार होता था, खुद पर ध्यान देता कि पता नहीं, कब किसके यहां लड़की वाले आ जाएं, इसलिए वह प्रायः बना-संवरा रहता। उसके हाथों में मोटी-मोटी किताबें दिखने लगतीं, ताकि कन्या पक्ष को लगे कि लड़का पढ़ने-लिखने वाला है। इन्हीं सबके बीच हमलोग नाटक भी किया करते।

पंकज त्रिपाठी

इस बार की दिवाली मेरे लिए खास है। मुंबई में बीवी-बच्चों के साथ त्योहार मनाऊंगा। इस बार घर के साथ-साथ अपने ऑफिस में भी दीया-बाती करूंगा। इसके बाद गांव (बेलसंड, बिहार) जाने का इरादा है। जिस दिन गांव पहुंचूंगा, उस दिन फिर से मां-बाबूजी के साथ दीपावली मनाऊंगा। वहां इस बार छत पर जाकर मोमबत्ती जलाऊंगा, और बचपन की एक अधूरी इच्छा पूरी करूंगा। असल में, तब हमारा घर खपरैल हुआ करता था, तो उस पर से दीया गिर जाता था। मोमबत्ती के भी गिरने का अंदेशा बना रहता था। तब बड़ी इच्छा होती थी कि काश! हमारा भी पक्का घर होता, तो सीधे छत पर जाकर दीये जलाता। हालांकि, जब घर पक्के का बन गया, तब मैं 'परदेस' निकल गया। पर इस बार संयोग बन रहा है।

दिवाली पर पटाखे चलाने का मुझे छुटपन से शौक रहा है, लेकिन गांव में यही कहा जाता था कि पैसे को क्यों जलाना? पटाखा जलाकर पैसे को ही तो आग लगा रहे हो! वैसे, उन दिनों गांवों में पटाखों को लेकर उतना क्रेज था भी नहीं। किसी के पास इतने पैसे भी नहीं होते कि 500-1,000 रुपये के वह पटाखे ले आए। ले-देकर हम लोग फुलझड़ी जलाया करते। गांव में चूंकि उन दिनों बिजली होती नहीं थी, इसलिए फुलझड़ी की रोशनी दूर तक चमकती थी। वास्तव में, हम लोगों के लिए दिवाली पटाखों का नहीं, रोशनी का त्योहार रहा है। पटाखों से इसलिए भी हमारी दूरी रही, क्योंकि घर में गाय-बैल थे। तेज आवाज से मवेशी डर जाते हैं। इसलिए, दीपावली के दिन उनका विशेष ध्यान रखा जाता था, ताकि वे बिदक न जाएं।

इस दिन खाने-पीने की भी विशेष व्यवस्था होती। घर में अच्छा पकवान बनता ही था। पहले लक्ष्मी पूजा होती, और फिर मां पांच दीये घी के जलाती थीं। इसके बाद

सरसों और तीसी के तेल के दीये जलते थे। अंतिम बारी मोमबत्ती की आती। आठ-नौ बजे रात के बाद। हम चार भाई-बहन हैं। बड़ी बहन की शादी हो गई थी और बड़े भाई ज्यादातर पटना में रहा करते थे। चूंकि सरिता (बहन) और मुझ में तीन साल का अंतर है, इसलिए हम दोनों खूब दिवाली मनाया करते। हम अपने घर में दीये जलाकर बाबा के घर चले जाते। बाबा, यानी रामनरेश त्रिपाठी। प्रोफेसर साहब थे। उनके घर की छत से हम अपना घर देखा करते कि दीया जलाने के बाद वह कैसा दिख रहा है? आप अपने घर में दीया जलाकर दूर जाकर उसे देखिए कि कितना सुंदर लग रहा है। यह अलग सुख देता है। स्वर्ग से सुंदर, सपनों से प्यारा, है अपना घर-दुआर।

दिवाली का एक उत्साह यह भी होता कि उन दिनों हमलोगों के नाटक का रिहर्सल चला करता। छठ के 'परना' (सुबह का अर्घ्य जिस दिन दिया जाता) के दिन नाटक खेला जाता। दिवाली को हमलोग 'रिहर्सल ब्रेक' लेते थे। तय होता था कि दीया जलाने के बाद 11 बजे रात से रिहर्सल करेंगे। भले एक घंटे के लिए ही सही। एक उमंग होती थी उन दिनों। नहीं भूलना चाहिए कि यह पूरा समय त्योहारी होता है। दशहरा, दिवाली, गोधन कुटाई, छठ- सब पर्व लगातार आते हैं। गोधन कुटाई के बाद से तो हमारे यहां लगन की शुरुआत हो जाती है। उन दिनों दूल्हा देखने का काम खूब होता था। अगुवा आने लगते थे। गांव का हर लड़का, जो शादी के लिए तैयार होता था, खुद पर ध्यान देता कि पता नहीं, कब किसके यहां लड़की वाले आ जाएं, इसलिए वह प्राय: बना-संवरा रहता। उसके हाथों में मोटी-मोटी किताबें दिखने लगतीं, ताकि कन्या पक्ष को लगे कि लड़का पढ़ने-लिखने वाला है। इन्हीं सबके बीच हमलोग नाटक भी किया करते।

त्योहारों को लेकर मैंने अपना मन कभी छोटा नहीं किया। संघर्ष के दिनों में भी, जब काम नहीं मिल रहा था, बीवी और बेटी के साथ मैं खूब त्योहार मनाता। मुझे याद है, 2012 में मुंबई में जब मैंने अपना पहला घर खरीदा, तो लगा कि अब अपने घर में दिवाली होगी। 2008 से 2012 तक मैंने किराये के घर में दीये जलाए हैं, और हर साल यही लगता कि पता नहीं, अगले साल इसी घर में त्योहार मनेगा या नहीं? घर होने के बाद पहली बार अनुभूति हुई कि अब मुंबई में अपनी छत है, तो यह अपने घर की दिवाली है।

फिर भी, दिल से मैं अपने गांव को ही जीता हूं। उन दिनों बिजली-बत्ती न होने के बावजूद मेरे लिए दीपों का त्योहार अद्भुत था। कुम्हार के घर से दीये आते थे। पेराई मशीन जाकर हम सरसों और तीसी पिसवाते। गाय होने की वजह से घर में घी वगैरह की कमी नहीं होती थी, लेकिन जब गाय 'बिसुख' (गर्भवती होने पर गाय का दूध न देना) जाती, तो पड़ोसी घी की मदद करते। वास्तव में, दीपावली सामूहिकता का त्योहार है। कहीं से तेल लाए, कहीं से दीया लाए, कहीं से कपास। मगर अब तो बिजली के बल्ब ने यह सारा सुख खत्म कर दिया है। मेरा मानना है कि किसी भी सुविधा या इन्फ्रास्ट्रक्चर का न होना, आपकी कमजोरी नहीं हो सकती, बल्कि वह आपकी ताकत बन सकती है। मुझे ही मनोज भाई (प्रसिद्ध अभिनेता मनोज वाजपेयी) को देखकर करियर का रास्ता मिला, और मुझसे न जाने कितने बच्चों को सपने मिले होंगे। सुविधाएं न होने के बावजूद लोग गांव से भी अपने सपने पूरे कर सकते हैं।

इन दिनों एक विज्ञापन में मैं लोगों से अपनों के बीच दिवाली मनाने की गुजारिश कर रहा हूं। यह जरूरी है। जो बच्चे स्मार्टफोन या डिजिटल दुनिया में ज्यादा रमे रहते हैं, वे आज कम से कम एक दिन के लिए स्क्रीन को किनारे रख दें। अगर वे आपात सेवाओं में नहीं हैं, तो यह संकल्प जरूर लें कि आज फोन स्वीच ऑफकरके घर-परिवार, मां-बाबूजी के साथ पूरा दिन बिताएंगे। यह त्योहार साल में एक दिन आता है, तो उसी उल्लास के साथ इसका स्वागत भी होना चाहिए। अपनों के साथ, यार-दोस्तों के साथ, और परिवार के साथ दिवाली मनाएं। हां, पटाखों से दूर रहने की बात मैं नहीं कहूंगा, लेकिन इसे चलाते वक्त पूरी सावधानी बरतें, क्योंकि पटाखों की वजह से दिवाली पर दुर्घटनाएं भी हो जाती हैं। कामना है कि आप सबके लिए दीपावली शुभ हो!

खुशी पर छा रहा है जो धुआं

वर्ष 1954 में एक फिल्म आई थी, पहली तारीख। उसमें किशोर कुमार ने कमर जलालाबादी का लिखा एक गीत गाया था, जो कभी-कभी भूले-बिसरे गीत जैसे कार्यक्रमों में सुनने मिलता है। बोल थे, खुश है जमाना / आज पहली तारीख है / दिन है सुहाना / आज पहली तारीख है...' किशोर कुमार अपने नायाब अंदाज में नौकरीपेशा परिवारों के लिए पगार मिलने के दिन की महिमा बखानते हैं। हमारे उपमहाद्वीप में कई पंचांग-कैलेंडर हैं, साल की अलग-अलग गिनतियां हैं, जिनके हिसाब से अलग-अलग नव वर्ष दिवस भी हैं, किंतु हमारे साल की पहली तारीख तो दीवाली ही है। चौमासे की बारिश और खरीफकी फसल हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ रही है। आज भी है, चाहे अर्थशास्त्री मानसून की अनिश्चितता का कितना भी रोना क्यों न रो लें। साल की सबसे बड़ी फसल का कटना ही साल का सबसे बड़ा त्योहार है। चार महीने की कठोर मेहनत के बाद खरीफकी फसल कटती है। इसी से सभी कोठार भरते हैं, पूरे साल के भरण-पोषण का इंतजाम होता है। खरीद-फरोख्त, लेन-देन, व्यवहार, सब इसी पर टिका रहा है। धन-धान्य के इस उत्सव को सब लोग अपने-अपने तरीकों से मनाते रहे हैं।

जैन समाज में दीपावली महावीर निर्वाण दिवस है। सिख धर्म में यह पर्व अकाल तख्त की स्थापना करने वाले छठे गुरु हरगोबिंद सिंह से जुड़ा है। उत्तर भारत के वैष्णवों के लिए यह सीता और राम के वनवास से लौटने का दिन है, लक्ष्मी पूजन का भी। पूर्व की शाक्त परंपरा इसे दुर्गा और काली से जोड़कर देखती है। नेपाल में यह तिहार या स्वन्ति है। दक्षिण भारत में दीपावली नहीं है, तो उसके एक दिन पहले नरक चतुर्दशी मानी जाती है, जिसकी कथा नरकासुर वध से जुड़ी है। आज हमारे समाज का एक बड़ा हिस्सा अपने खेतिहर परिवेश और उसकी

परंपराओं से दूर हो चुका है, किंतु पर्व और उत्सव तो उसे भी चाहिए। ऐसा कोई समाज नहीं है, जिसके उत्सव न हों, जिनकी कथाएं और मान्यताएं सृष्टि के ऋतु चक्र से जुड़ी न हों। मिलना-जुलना, सहभोज करना, साथ मिलकर आनंद करना हरेक समाज का मूल स्वभाव है। चौमासे की बारिश, हेमंत ऋतु में सप्तपर्णी की मदमाती गंध, वसंत में रंग-रूप का वैभव... इनका आनंद दूसरों के साथ मनाने से ही है। जिन समाजों में सार्वजनिक आनंद मिट जाते हैं, वहां अवसाद व्यापक हो कर बीमारी बन जाता है, ऐसा समाजशास्त्रियों के शोध में भी उभरा है। जब लोगों को सहज सामाजिक आनंद न मिले, तब अकेलापन मिटाने के लिए दवाएं खानी पड़ती हैं, मन को संभालने के लिए बाजारू अध्यात्म का सहारा भी लेना पड़ता है, मोबाइल फोन पर ध्यान-समाधि लगाने की एप भी डाउनलोड करनी पड़ती है।

आज हमारे ज्यादातर त्योहारों का रूप ऐसा हो चुका है कि तीन-चार पीढ़ी पहले के हमारे ही पुरखे शायद उन्हें पहचान भी न सकें! मनुष्य समाज और उसके पर्व, दोनों ही औद्योगिक युग से आक्रांत हैं। कोयले-पेट्रोलियम को वीभत्स रूप से जलाने वाली औद्योगिक व्यवस्था केवल पृथ्वी की जलवायु में ही परिवर्तन नहीं ला रही। इससे हमारे सामाजिक पर्व और उत्सव भी बदलते जा रहे हैं। इसके मूल में प्रकृति के साथ हिंसा करने का भाव है, उसके संसाधनों को नियंत्रित करने का भी। प्रकृति में रमने में, सहज-सामाजिक आनंद में इस औद्योगिक व्यवस्था को कोई फायदा नहीं दिखता।

जो लोग पर्यावरण और स्वास्थ्य को लेकर चिंतित हैं, वे कई साल से पटाखों से होने वाले नुकसान के बारे में हमें चेता रहे हैं। आतिशबाजी में कुछ जगह कमी भी आई है। ऐसे बच्चे भी मिलते हैं, जो पटाखों से बचते हैं। किंतु ऐसा नहीं कहा जा सकता कि हमारे उत्सवों का स्वरूप सुधर रहा है। दीपावली के अगले दिन दिल्ली की हवा में जहर की मात्रा तेजी से बढ़ी है। यह धन-धान्य का लक्षण नहीं, दमा और फेफड़ों में कैंसर का कारक है।

इसी तरह उत्तर भारत में किसानों द्वारा धान फसल की कटाई के बाद पुआल/पराली जलाने का मामला है। इसके पीछे हैं कृषि व्यवस्था में बदलाव। पहले फसल कटने के बाद बची पुआल पशुओं के काम आती थी। उसकी बिक्री तक होती थी। घुमंतु पशुपालक अपने मवेशियों को पुआल चराने के लिए लाते थे। किसान बेसब्री से उनकी बाट जोहते थे, क्योंकि बदले में उन्हें गोबर की अनमोल खाद मिलती थी। आज घुमंतु पशुपालकों और उनके जानवरों के पैरों में नियमों की बेड़ियां हैं। जानवर कचरे के ढेर पर खाना ढूंढ़ते मिलते हैं, और किसान पुआल को इसलिए जला देते हैं, क्योंकि उसकी कोई उपयोगिता नहीं है। धन-धान्य का उत्सव धुएं का तांडव बन गया है। हमारे राजतंत्र का अपने समाज से संबंध कैसा है, उसका यह सड़ता हुआ प्रमाण है।

दोनों ही स्थितियों का सामना करने के लिए हमें दो बातों को समझना होगा, उन्हें अपने लोगों को प्यार से समझाना होगा। पहली बात, उत्तर भारत के मैदानी इलाके का भूगोल ऐसा है कि यह एक कटोरे के तल की तरह है। यहां हवा कम चलती है। एक तरफ हिमालय, पश्चिम में मरुस्थल और दक्षिण में ऊंचे पठार और विंध्य पर्वत हैं। इस क्षेत्र में अधिक धुआं पैदा करने वाले सभी प्रयोजनों को रोकना जरूरी है। अगर नहीं रोका, तो हमारे बच्चे दमा के शिकार होंगे, चाहे वो पटाखे चलाते हों या नहीं। बिना सिगरेट-बीड़ी ही फेफड़ों में कैंसर के मामले बढ़ते ही जाएंगे। हमें सार्वजनिक यातायात को बढ़ावा देना होगा, ताकि निजी वाहन हों भी तो लोग उनका उपयोग कम करें।

बेअसर रहा प्रतिबंध

दिल्ली में ठंड का साथ पाकर प्रदूषण ने अपना खतरनाक रूप दिखाना शुरू कर दिया है। पराली, फैक्टरियों और वाहनों के धुएं, दीपावली के पटाखे व अन्य तमाम तरह की मानवीय गतिविधियों की वजह से राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण का स्तर काफी बढ़ गया है। सरकार और प्रशासन की सख्ती व पटाखों पर प्रतिबंध के बावजूद लोगों ने जमकर नियमों की धज्जियां उड़ाईं। हैरत की बात यह है कि खुद को पढ़े-लिखे व जागरूक बताने वाले लोगों ने भी दीपावली पर पटाखे चलाए। ऐसे लोगों ने न पर्यावरण की चिंता की और न ही सांस संबंधी परेशानियों से जूझ रहे मरीजों की। मौसम वैज्ञानिकों की मानें, तो दिल्ली इस समय गैस चैंबर बन चुकी है। ऐसे में, सुधार के कदम तत्काल उठाने होंगे। सरकारों और संवेदनशील नागरिकों को सजगता दिखानी होगी।

हितेंद्र डेढ़ा, चिल्ला गांव

भैया दूज का महत्व

भारत की संस्कृति, पर्व-त्योहार, परंपराएं और धार्मिक मान्यताएं इंसान को प्यार के बंधन में बांधे रखने की शिक्षा देती हैं। भाई-बहन के पवित्र रिश्ते में एक नया रंग भरने और प्यार के बंधन में और मिठास घोलने के लिए ही भैया दूज मनाया जाता है। यह त्योहार हमारे देश के कुछेक राज्यों में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है, लेकिन यहां यह बात भी गौर करने लायक है कि जिस देश में भैया दूज का त्योहार मनाया जाता हो, वहां लड़कियां सुरक्षित नहीं हैं। यह मसला शोचनीय और निंदनीय है। हर त्योहार को मनाने के साथ उसके इतिहास को जानना चाहिए, उस पर अमल भी करना चाहिए, ताकि त्योहारों की मर्यादा बची रहे। हमें समझना होगा कि आधुनिकता का मतलब अपने संस्कारों और संस्कृति को कुचलना नहीं होता।

राजेश कुमार चौहान, पंजाब

एडवेंचर के हैं दीवाने? हिमाचल प्रदेश में जरूर उठाएं इन स्पॉर्ट्स का लुफ्त

अक्सर लोग ऐसे काम करते हैं जो उन्हें लगता है कि ज्यादातर पर्यटक कर रहे हैं। ठीक यही हाल हिमाचल प्रदेश का भी है। यहां कुछ लोग दर्शनीय स्थलों की यात्रा के लिए आते हैं तो कुछ हनीमून के लिए, लेकिन इसके अलावा कुछ ऐसी चीजें हैं जो इस राज्य में की जा सकती हैं। इस राज्य में आप कई ऐडवेंचर स्पॉर्ट का लुफ्त उठा सकते हैं। अगर आप कुछ लाइफटाइम एक्सपीरियंस पाना चाहती हैं तो हिमाचल प्रदेश का दौरा एक अच्छा ऑप्शन हो सकता है। जानते हैं, हिमाचल प्रदेश में हिमाचल प्रदेश में मौजूद कुछ बेहतरीन ऐडवेंचर स्पोर्ट्स की लिस्ट।

पाराग्लाइडिंग

धर्मशाला से लगभग 70 किलोमीटर और मैकलोडगंज से लगभग 80 किलोमीटर दूर, बीर उन लोगों के लिए अच्छा है जो ऊंचाई से शहर को देखना चाहते हैं। यहां, आप पैराग्लाइडिंग का आनंद ले सकते हैं।

कायाकिंग

अगर आप पानी से प्यार करने वाले व्यक्ति हैं, तो कयाकिंग सबसे अच्छा वॉटरस्पॉर्ट्स है। इस शांत और सुखदायक पानी के खेल का आनंद लेने के लिए भागा, चिनाब, जांस्करी, पार्वती, सतलुज, स्पीति, चंद्रा और लाहौल ट्रैवल करें।

रैपलिंग

चट्टान से नीचे उतरना आत्महत्या से कम नहीं मानते है। लेकिन अलग प्रशिक्षण कार्यक्रमों और सुरक्षा तकनीकों के साथ, रैपलिंग आपको एक बेहतरीन एड्रेनालाईन रश देगा। अगर आप इसे आजमाना चाहते हैं, तो कोठी, शूरू, अलियो, नेहरू कुंड, कसोल, छतरू, तीर्थन घाटी या डलहौजी में ये फेमस हैं।

ट्रैकिंग

अगर आप ट्रेकिंग के शौकीन हैं तो आपके लिए हिमाचल से बेहतर कोई राज्य नहीं हो सकता। इस राज्य में 270 ट्रेकिंग ट्रेल्स आपको एक शानदार अनुभव देगा। यहां कुछ बेहतरीन ट्रेक हैं जैसे- बार से भंगल, पिन पार्वती, किन्नौर से कैलाश, स्पीति से गढ़वाल, भरमौर से पदुम।

नेल्स पर लगी मेहंदी से पाना चाहती हैं छुटकारा

हाथों को सुंदर बनाने के लिए अपने हाथों पर मेहंदी लगाना एक पुराना तरीका है। यह त्योहारों और शादियों सहित हर खास मौके पर होता है। इन दिनों ऐसी कोई महिला नहीं मिलेगी जिसके हाथों में मेंहदी न हो। ऐसा माना जाता है कि मेहंदी का रंग जितना गहरा होता है, महिला को उसका पति उतना ही ज्यादा प्यार करता है। मेहंदी का रंग कुछ ही दिनों में खत्म हो जाता है, हालांकि, यह आपके नाखूनों पर एक दाग छोड़ सकता है जो बेहद अप्रिय लगता है। तो जानते हैं, नाखूनों में लगी से मेंहदी से छुटकारा पाने के तरीके दिए।

जैतून का तेल और नमक

आपके नाखूनों से मेंहदी हटाने के लिए आप जैतून का तेल और नमक का इस्तेमाल करें। एक छोटी कटोरी में दो बड़े चम्मच जैतून का तेल और नमक मिलाएं। अच्छे से मिक्स करने के बाद। रुई की मदद से घोल को अपने नाखूनों पर धीरे से रगड़ें।

नमक

नमक का इस्तेमाल बहुत लंबे समय से सफाई एजेंट के रूप में किया जाता रहा है। इसके लिए आपको बस एक कटोरी खारे पानी की जरूरत है। फिर इसमें हाथों को डिप करें। लगभग 20 मिनट बाद इस बाहर निकालें। खारे पानी से मेहंदी के जिद्दी दाग ??बन जाएंगे, तो इससे घुलने में आसानी होगी। एक बार हो जाने के बाद आप मॉइस्चराइजर लगाएं।

गर्म पानी

मेंहदी के दाग हटाने के लिए गर्म पानी का इस्तेमाल करें। अगर आपके घर में और कुछ नहीं है जो काम करेगा, तो गर्म पानी का इस्तेमाल करें। हालांकि, ज्यादा गर्म पानी का इस्तेमाल न करें। इसके लिए अपने नाखूनों को 20 मिनट के लिए पानी में डुबोएं और इससे दाग-धब्बे नर्म हो जाएंगे और मेंहदी निकल जाएगी।

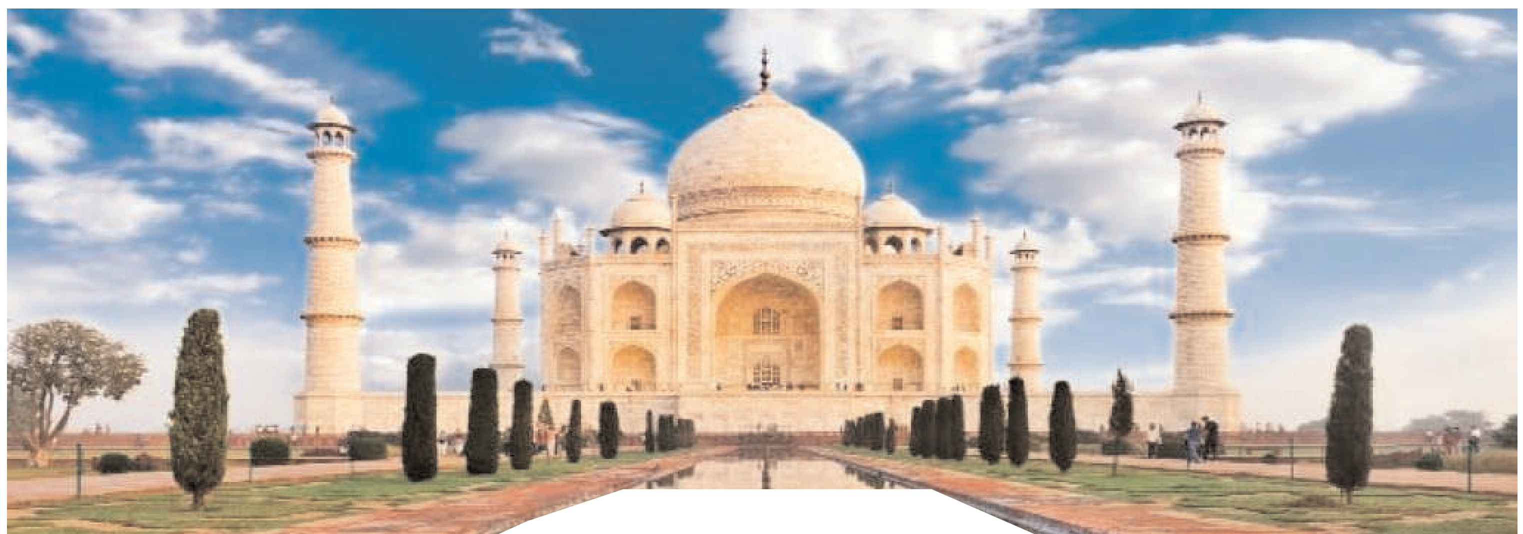

ताजमहल

अगर आप पिकनिक के लिए आगरा जाते हैं तो ये एक अच्छा विकल्प साबित होगा। दुनिया के सात अजूबों में से एक, ताजमहल आमतौर पर भीड़भाड़ वाला रहता है। आप इस 'प्रेम के प्रतीक' को शांति से देख सकते हैं।

बच्चों के साथ पिकनिक कर रहे हैं प्लान? दिल्ली के पास ये हैं बेहतरीन जगहें

फेस्टिव सीजन में बच रही छुट्टी में एक दिन आप पिकनिक प्लान कर सकते हैं। पिकनिक पर जाना न सिर्फ बच्चों की पसंद होती है। बल्कि ये बड़ों को भी खूब पसंद आती है। वहीं पिकनिक पर जाने से मन चेंज हो जाता है, साथ ही मूड फ्रेश हो जाता है। ऐसे में अगर आप दिल्ली में रहते हैं और अपने परिवार के साथ पिकनिक के लिए कुछ जगहों की तलाश कर रहे हैं तो जानते हैं कुछ जगहों के बारे में।

दमदमा झील, गुड़गांव

सुंदर अरावली पहाड़ियों से घिरी दमदमा झील फैमिली पिकनिक के लिए एक अच्छा आकर्षण है। यह दिल्ली के आसपास एक फेमस प्लेस है। अगर आपको बोटिंग का शौक है तो यहां आप इसका लुत्फ उठा सकते हैं। रॉक क्लाइम्बिंग, ट्रेकिंग और हॉट एयर बैलूनिंग सहित कई अन्य मजेदार गतिविधियां हैं जिनका आप यहां आनंद ले सकते हैं।

सूरजकुंड, फरीदाबाद

दिल्ली से कुछ ही किलोमीटर की दूरी पर स्थित सूरजकुंड फरीदाबाद में है। ये जगह अपने हर साल होने वाले मेले के लिए फेमस है, जो पूरे देश के कारीगरों को एक साथ लाता है। दो हफ्ते चलने वाला ये मेला भारत की संस्कृति का जश्न मनाता है। हालांकि, सूरजकुंड एक शांतिपूर्ण आकर्षण है जो प्रकृति के करीब कुछ समय बिताने के लिए एकदम सही है। सूरजकुंड अरावली पहाड़ियों की में बनी एक मेनमेड झील है। अगर आप अपने परिवार के साथ जल्दी पिकनिक मनाने जाना चाहते हैं तो सूरजकुंड एक आदर्श विकल्प हो सकता है। इस जगह में सूर्य मंदिर के खंडहर और एक परिसर है जिसमें एक बगीचा है। सबसे अच्छी बात यह है कि आकर्षण वास्तव में दिल्ली के करीब है।

इस रेसिपी से जरूर बनाएं दम आलू की टेस्टी रेसिपी

आपके किचन में अगर सब्जी ख़्त्म हो गई है, तो आप आलू से टेस्टी डिश बना सकते हैं। आलू दम ऐसी रेसिपी है, जो ज्यादातर लोगों को पसंद होती है। आप आलू दम को रोटी या पुलाव के साथ खा सकते हैं। इसे बनाने में ज्यादा टाइम नहीं लगता। ऐसे में आप आलू दम की रेसिपी बना सकते हैं। आइए, जानते हैं दम आलू की टेस्टी रेसिपी-

दम आलू की सामग्री

1/2 किलो द्भद्द आलू

तेल

पानी

1 टी स्पून कश्मीरी लाल मिर्च पाउडर

2 ड्ड टी स्पून गरम मसाला

2 टी स्पून सौंठ

1 टी स्पून सौंफ पाउडर

2 हरी इलायची

2-3 टेबल स्पून दही नमक

दम आलू बनाने की विधि

आलू के पीस को आधा करके काट लें। तेल में डीप फ्राई करके साइड रख दें। कांटे या टूथपिक से आलू में छेद कर लें। साइड रख दें। एक कटोरी में सभी सूखे पाउडर मसाले डालें। पानी डालकर पेस्ट तैयार कर लें। एक पैन में तेल गर्म करके इलायची डालें। इसमें पेस्ट डालकर चार से पांच मिनट के लिए चलाएं। इसके बाद इसमें आलू मिलाएं। साथ ही दही डालें। पांच मिनट के लिए ढक कर पकाएं। चावल के साथ गर्मा-गर्म सर्व करें।

कुकिंग टिप्स

आप आलू दम की ग्रेवी अपने मुताबिक बना सकते हैं। आप काजू पेस्ट से भी आलू दम की ग्रेवी बना सकते हैं।

आलू दम को फ्राई करके भी सब्जी बना सकते हैं।

आलू दम में ग्रेवी गाढ़ी और टेस्टी करने के लिए आप इसमें पनीर भी मैश करके डाल सकते हैं।

आप इसमें दही भी डाल सकते हैं।

इस तरीके से बनाएंगे बासमती चावल, तो कभी नहीं होंगे गीले

बासमती चावल अक्सर बनाने में गीला हो जाता है। ऐसे में आपको मन मारकर बासमती चावल खाना पड़ता है। आपके बासमती चावल भी अक्सर गीले हो जाते हैं, तो आप कुछ टिप्स और ट्रिक्स फॉलो कर सकते हैं, जिससे बासमती चावल गीले न हो।

इस रेसिपी से बनाएं बासमती चावल

बासमती को एक परफेक्ट अंदाज में बनाने के लिए पानी में भिगोकर रखने और बाद में बनाने के बाद चावल खिला-खिला बनता है। ऐसे में अगर आप बासमती चावल बनाने वाले हैं, तो आप चावल को 15-20 मिनट पहले पानी में भिगोकर रख दें। 20 मिनट बाद कुकर में चावल डालते समय दो कप पानी डालें और एक सीटी लगने के बाद गैस को बंद कर दीजिए। अगर आप किसी अन्य बर्तन में बना रहे हैं, तो आप खुले पकाएं।

नींबू और नारियल तेल डालने से गीला नहीं होगा चावल

बासमती चावल बनाते समय नींबू और नारियल तेल का भी इस्तेमाल आपके लिए बेहतर साबित हो सकता है। इसके लिए आप जब बर्तन में चावल और पानी डालें, तो आप एक से दो चम्मच नींबू का रस और एक चम्मच नारियल का तेल डालकर पकाएं। अगर आप कुकर में बना रहे हैं, तो इन सामग्री को डालकर एक सीटी लगने के बाद गैस को बंद करें और कुकर से हवा अपने आप निकलने दें। इससे चावल ज्यादा सफेद और खिला-खिला और स्वाद से भरपूर बनता है।

कुकिंग टिप्स

आप चावल बनाने से पहले इसे भिगाकर कुछ देर के लिए छोड़ दे, फिर इसका पानी निकालकर इसे कुछ देर के लिए बाहर निकालकर फैला भी सकते हैं।

3 अच्छे आई मेकअप लुक के लिए सही सामान है जरूरी, शुरूआती दिनों में ऐसे चुनें ब्रश

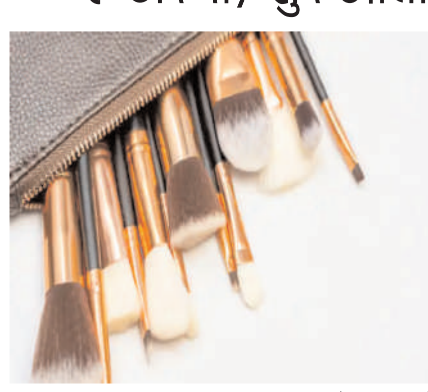

आंखों का मेकअप एक ऐसी चीज है जो आपके लुक को तुरंत निखार सकती है। भले ही आपने सबसे बेसिक आउटफिट पहना हो, किसी भी लुक को मेकअप खास बना सकता है। हालांकि, यह एक मुश्किल काम है, खासकर जब आपके पास सही टूल्स नहीं हैं। इन दिनों हर को इंटरनेट से अच्छा मेकअप सीख रहा है। ऐसे में हर कोई एक अच्छा लुक पाने के लिए पूरी कोशिश करता है। हालांकि, अंत में कुछ ऐसा लुक आता है जिसके बारे में सोचा न हो। ऐसा इसलिए क्योंकि हमारे पास जरूरी टूल्स नहीं होते हैं। इसलिए आज हम आपको आईशैडो ब्रश के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनका इस्तेमाल आपको आई मेकअप के लिए करना है। आइए, जानते हैं-

स्टैम्प आईशैडो ब्रश

स्टैम्प आईशैडो ब्रश एक स्टबी कॉम्पैक्ट ब्रश होता है जिसका इस्तेमाल एक एप्लिकेशन में बहुत सारे प्रॉडक्ट चुनने के लिए किया जाता है। अगर आप अपने आंखों के मेकअप के साथ खेलना पसंद करती हैं और कुछ बोल्ड दिखना चाहती हैं, तो यह ब्रश निश्चित रूप से आपका पसंदीदा होना चाहिए। इससे आप हर तरह का मेकअप कर सकती हैं।

फ्लफी ब्रश

अगर आपका स्मोकी आई लुक पाना चाहती हैं, तो आपको फ्लफी ब्लेंडिंग ब्रश का इस्तेमाल करना चाहिए क्योंकि यह आपको परफेक्ट लुक देगा। यह फ्लफी ब्लेंडिंग ब्रश वास्तव में रंगों को मिक्स करने में एक ऑप्शन है।

आईशैडो ब्लेंडिंग ब्रश

आईशैडो ब्लेंडिंग ब्रश एक सपाट और घना ब्रश होता है जिसमें कॉम्पैक्ट ब्रिसल्स होते हैं। इस ब्रश की मदद से मेकअप फ्लॉलेस होता है। अगर आप आंखों का मेकअप करने के लिए बेगिनर हैं तो आपको बहुत ज्यादा ब्रश इस्तेमाल करने की जरूरत नहीं है।

नरेंद्र मोदी दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता, अमेरिकी राष्ट्रपति छठवें और ब्रिटिश PM 10वें नंबर पर फिसले

द मॉर्निंग कंसल्ट का सर्वे

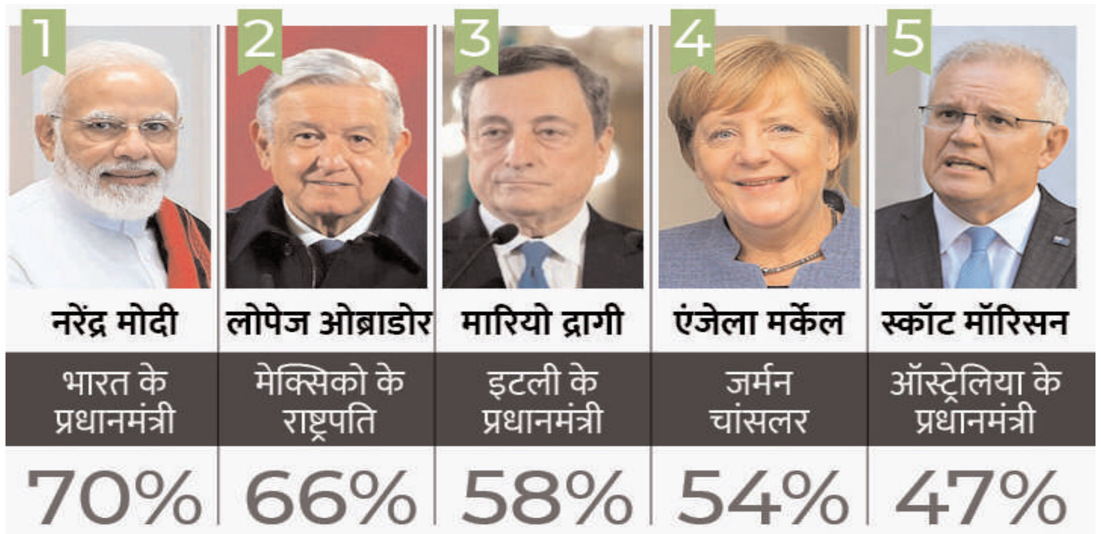

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वॉशिंगटन।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक बार फिर से दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता चुने गए हैं। अमेरिकी डेटा इंटेलिजेंस फर्म द मॉर्निंग कंसल्ट के सर्वे के मुताबिक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अप्रूवल रेटिंग में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन समेत दुनिया के 13 राष्ट्र प्रमुखों को पीछे छोड़ दिया है। पीएम मोदी की अप्रूवल रेटिंग 70 फीसदी है। 5 नवंबर को अपडेट किए गए इस सर्वे में भारतीय प्रधानमंत्री दुनिया के कई राष्ट्रपतियों और प्रधानमंत्रियों से काफी आगे हैं। पीएम मोदी ने मैक्सिकन राष्ट्रपति आंद्रे मैनुएल लोपेज ओब्राडोर, इटली के प्रधानमंत्री मारियो द्राघी, जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन समेत कई बड़े नेताओं को लोकप्रियता के ग्राफ में पीछे छोड़ दिया है।

कोरोना की दूसरी लहर के दौरान गिरी लोकप्रियता

द मॉर्निंग कंसल्ट के सर्वे के मुताबिक, भारत में कोरोना की दूसरी लहर (मई 2021) के दौरान प्रधानमंत्री मोदी की डिसअप्रूवल रेटिंग (लोकप्रियता में गिरावट) पीक पर थी। तब कोरोना के कारण अस्पतालों में ऑक्सीजन की कमी ने देश को बुरी तरह से प्रभावित किया था। हालांकि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने इस मुश्किल हालात से जल्द ही निजात पा लिया।

अमेरिकी राष्ट्रपति और ब्रिटेन के पीएम पिछड़े

इस लिस्ट में ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन, कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो, ब्रिटिश पीएम बोरिस जॉनसन और ब्राजीलियन राष्ट्रपति जेर बोल्सोनैरो भी शामिल हैं। इस बार के सर्वे में अमेरिकी राष्ट्रपति पांचवें से छठवें और ब्रिटिश प्रधानमंत्री 8वें से दो स्थान फिसलकर 10वें पॉजिशन पर पहुंच गए

मई 2020 में सबसे ज्यादा 84प्रतिशत पर थी अप्रूवल रेटिंग

प्रधानमंत्री मोदी की अप्रूवल रेटिंग मई 2020 में सबसे ज्यादा 84 फीसदी पर थी। तब भारत कोरोना महामारी से बाहर निकल रहा था। इसी साल जून में जारी हुई अप्रूवल रेटिंग की तुलना में इस बार प्रधानमंत्री मोदी की अप्रूवल रेटिंग बेहतर हुई है। जून में पीएम मोदी की अप्रूवल रेटिंग 66 फीसदी थी। मोदी की डिसअप्रूवल रेटिंग में गिरावट भी आई है। करीब 25 फीसदी की गिरावट के साथ अब यह लिस्ट में सबसे निचले स्थान पर है।

ऐसे बनती है अप्रूवल-डिसअप्रूवल रेटिंग

द मॉर्निंग कंसल्ट अप्रूवल और डिसअप्रूवल रेटिंग 7 दिनों के मूविंग एवरेज के आधार पर निकालती है। इस कैलकुलेशन में 1 से 3 प्रतिशत तक का प्लस-माइनस मार्जिन होता है। यानी अप्रूवल और डिसअप्रूवल रेटिंग में 1 से 3 प्रतिशत तक की कमी या वृद्धि हो सकती है। इस आंकड़े को तैयार करने के लिए मॉर्निंग कंसल्ट ने भारत में करीब 2126 लोगों का ऑनलाइन इंटरव्यू किया था।

रूस में कोरोना बेकाबू: 41,335 नए केस मिले, पेड हॉलिडे के बावजूद एक दिन में नए संक्रमितों का यह सबसे बड़ा आंकड़ा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज मॉस्को

रूस में शनिवार को रिकॉर्ड में नए कोविड-19 केस मिले। बीते 24 घंटे में यहां 41,335 कोरोना संक्रमित सामने आए। इस महामारी की शुरुआत से लेकर एक दिन में अब तक का यह सबसे बड़ा आंकड़ा है। बीते दिन यहां 1,188 मरीजों की मौत भी हुई है। संक्रमितों की यह रिकॉर्ड संख्या रूस में ऐसे समय सामने आई है, जब देश में 30 अक्टूबर से 7 नवंबर तक पेड हॉलिडे घोषित है। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बढ़ते कोरोना मामलों पर काबू पाने के लिए पेड हॉलिडे की घोषणा की है। इसका मकसद है कि ज्यादातर लोग घरों में ही रहें, ताकि कोरोना के बढ़ते मामलों पर काबू पाया जा सके।

मॉस्को में मिल रहे ज्यादातर नए संक्रमित

रूस में अब तक 80.7 लाख कोरोना केस मिले हैं। यह दुनिया के उस देशों में शामिल हैं, जो कोरोना से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। मालूम हो कि मौजूदा समय में ज्यादातर केस राजधानी मॉस्को से सामने आ रहे हैं।

मौतों की संख्या कम करके दिखाने का आरोप

रूसी अथॉरिटी पर कोरोना संक्रमण के आंकड़ों को कम करके दिखाने का आरोप है। स्टैटिक्स एजेंसी रोसस्टैट ने अक्टूबर में बताया था कि सरकारी आंकड़ों की तुलना में करीब दोगुनी मौतें हुईं। रोसस्टैट के मुताबिक रूस में सितंबर में कोरोना से 44,265 लोगों की मौत हुई, जो कि सरकारी आंकड़ों की तुलना में दोगुना है। साथ ही बताया कि रूस सितंबर तक 4.50 लाख लोगों की मौत हुई। यह संख्या यूरोप के अन्य देशों के तुलना में सबसे बड़ी है।

अभी तक केवल एक तिहाई लोगों का ही टीकाकरण हुआ

रूस में कोविड वैक्सीनेशन की रफ्तार धीमी है। रूस ने कोरोना के खिलाफ स्पुतनिक 5 समेत कई टीके देश में विकसित किए हैं। इसके बावजूद अभी तक केवल एक तिहाई लोगों का ही टीकाकरण हुआ है। देश में वैक्सीनेशन की रफ्तार तेज करने की मांग उठ रही है। कहा जा रहा है कि वैक्सीन देश के हर हिस्से तक पहुंचाई जाए।

वाम मोर्चा के अध्यक्ष बिमान बोस और माकपा के राज्य सचिव सूर्यकांत मिश्रा ने कोलकाता में लेनिन की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

100 महिलाओं की लाश से दुष्कर्म:इंग्लैंड के मुर्दाघर में इलेक्ट्रीशियन की घिनौनी करतूत, 34 साल बाद मिलेगी जुर्म की सजा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

इंग्लैंड के ईस्ट ससेक्स राज्य में हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक टाउन हीथफील्ड में 34 साल बाद घिनौनी करतूतों के अपराधी को सजा मिलने जा रही है। कोर्ट ने उसे महिलाओं की लाश के साथ दुष्कर्म का दोषी पाया है। अब 67 साल के हो चुके डेविड फुलर ने अंजाम दिया था। वह 12 साल तक मुर्दाघर में महिलाओं की लाशों के साथ दुष्कर्म करता रहा। उसने करीब 100 महिलाओं के शवों के साथ दुष्कर्म किया, लेकिन किसी को इस बात का पता नहीं चला। फुलर 1989 से 12 साल तक हीथफील्ड अस्पताल के 2 मुर्दाघरों में आने वाले शवों के दुष्कर्म करता रहा। यहां वह इलेक्ट्रीशियन था। जांच में सामने आया कि फुलर देर रात तक मुर्दाघर में काम करता रहता था, तब तक दूसरे कर्मचारी चले जाते थे। इस केस की जांच करने में इंग्लैंड पुलिस को 2.5 मिलियन यूरो (करीब 21.42 करोड़) रुपए का खर्च आया।

कैसे चला वारदात का पता? फुलर ने 1987 में वेंडी नेल और कैरोलीन पियर्स नाम की 2 महिलाओं की हत्या कर दी थी। नेल की 23 जून 1987 को गिल्डफोर्ड रोड में उनके घर पर हत्या कर दी गई थी। जब वह काम पर नहीं पहुंची तो उनका बॉयफ्रेंड उनके घर पहुंचा था और उसे बिस्तर पर नेल की लाश मिली। नेल के तौलिए और उसकी लार में फुलर का DNA मिला था। 24 नवंबर 1987 को कैरोलीन पियर्स का ग्रोसवेनर पार्क में अपने घर के बाहर से अपहरण कर लिया गया। पड़ोसियों ने उनके चीखने-चिल्लाने की आवाज सुनी थी। एक हफ्ते बाद उनकी लाश उनके घर 40 मील दूर रोमनी मार्श में एक बांध पर तैरती मिली। एक खेत मजदूर ने लाश देखकर पुलिस को फोन किया था।

न्यूज ब्रीफ

इराक के PM आवास पर ड्रोन अटैक: प्रधानमंत्री मुस्तफा अल-कदीमी बाल-बाल बचे

बगदाद। इराक के प्रधानमंत्री मुस्तफा अल-कदीमी के घर पर रविवार तड़के ड्रोन से हमला हुआ। इस हमले में वो बाल-बाल बच गए। इराकी सेना ने बताया कि आज सुबह बगदाद स्थित पीएम आवास को निशाना बनाकर विस्फोटकों से लदे एक ड्रोन से हमला हुआ। यह अल-कदीमी की हत्या का प्रयास था। इस अटैक में प्रधानमंत्री की सुरक्षा में तैनात 6 लोग घायल हो गए। किसी भी गुट ने अभी तक बगदाद के ग्रीन जोन में स्थित प्रधानमंत्री आवास पर हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। मालूम हो कि इसी जोन में कई सरकारी इमारतें और विदेशी दूतावास हैं। कदीमी के ऑफिशियल ट्विटर अकाउंट पर कहा गया है कि प्रधानमंत्री सुरक्षित हैं। लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है।

'धमाके और गोलियों की आवाज सुनी': रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, दो सरकारी अधिकारियों ने बताया कि कदीमी के घर पर कम से कम एक हमला हुआ। पीएम रेजिडेंस के बाहर सुरक्षा में तैनात 6 मेंबर्स घायल हुए हैं। ग्रीन जोन में स्थित पश्चिमी राजनयिकों ने कहा कि उन्होंने धमाके और गोलियों की आवाज सुनी।

संसदीय चुनाव में धांधली के आरोप: इराक के पीएम आवास पर यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब देश में पिछले महीने हुए संसदीय चुनाव में धांधली के आरोप लगे हैं। बीते शुक्रवार को ही बगदाद के ग्रीन जोन इलाके के बाहर डेरा डाले ईरान समर्थक शिया लड़ाकों के समर्थकों और दंगा विरोधी पुलिस के बीच झड़प हुई, जो बाद में हिंसक हो गई।

हिंसा में एक प्रदर्शनकारी की मौत: इस घटना में एक प्रदर्शनकारी की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए, जिनमें ज्यादातर इराकी सुरक्षा बलों के सदस्य हैं। प्रदर्शनकारियों ने संसदीय चुनाव में मिली हार को खारिज कर दिया है। चुनाव में ईरान समर्थक लड़ाकों को सबसे बड़ी हार

कालिंदी कुंज में यमुना नदी में जहरीला झाग तैरता है, क्योंकि नई दिल्ली में धुंध की मोटी परत वातावरण को घेर लेती है।

पाकिस्तान की कोर्ट ने आतंकियों को छोड़ा: मुंबई हमले के मास्टरमाइंड हाफिज सईद के 6 साथी टेरर फंडिंग केस में बरी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

पाकिस्तान के लाहौर हाई कोर्ट ने हाफिज सईद के संगठन जमात-उद-दावा के 6 लीडर्स को एक टेरर फंडिंग केस में बरी कर दिया है। जमात-उद-दावा असल में बैन किए गए आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का फ्रंट ऑर्गेनाइजेशन है। इस संगठन ने 2008 में मुंबई में आतंकी हमले को अंजाम दिया था, जिसमें 160 लोगों की मौत हुई थी।

ट्रायल कोर्ट ने सुनाई थी 9 साल की सजा

पाकिस्तानी अखबार डॉन के मुताबिक, ट्रायल कोर्ट ने प्रो. मलिक जफर इकबाल, याह्या मुजाहिद, नसरुल्लाह, समिउल्लाह और उमर बहादुर को 9 साल की सजा सुनाई थी। जबकि हाफिज अब्दुल रहमान मक्की को 6 महीने कारावास की सजा दी गई थी। इन सभी ने लाहौर हाईकोर्ट में जस्टिस मोहम्मद अमीर भट्टी और जस्टिस तारिक सलीम शेख की अगुआई वाली डिस्ट्रिक्ट बेंच में अपनी सजा के खिलाफ अर्जी लगाई। अपराधियों के वकील ने तर्क दिया कि ट्रायल कोर्ट ने सबूतों पर ठीक से गौर नहीं किया, जिसकी वजह से गलत फैसला सुनाया गया। उन्होंने कहा कि जिस अल-अनफाल ट्रस्ट से उनके क्लाइंट्स जुड़े हुए हैं, उसका लश्कर-ए-तैयबा से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि उनके क्लाइंट्स ने 2000 में ही लश्कर-ए-तैयबा को ट्रस्ट से दूर कर दिया था। उनके इस संगठन से जुड़े होने या उसे सपोर्ट करने का रत्तीभर भी सबूत नहीं है।

कोर्ट ने कहा- पुख्ता सबूत पेश करें

इस पर कोर्ट ने कहा कि यह अभियोजन पक्ष का काम है कि वह ऐसे सबूत पेश करे जिन्हें नकारा न जा सके और जिससे आरोपियों का गुनाह साफ हो सके। कोर्ट ने कहा कि आरोपियों को सिर्फ इसलिए सजा नहीं दी जा सकती क्योंकि लश्कर-ए-तैयबा या उनकी ट्रस्ट को बैन कर दिया गया है।

ड्रैगन बना रहा खतरनाक जैविक हथियार; चीन की चाल को समझना दुनिया के लिए होता जा रहा मुश्किल

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज बीजिंग

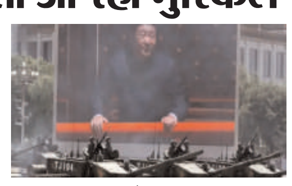

चीन के दिमाग में क्या चल रहा है, इसे पढ़ पाना दुनिया के लिए मुश्किल हो रहा है। चीन लगातार अपनी ताकत में इजाफा कर रहा है। वह न सिर्फ परमाणु हथियारों का जखीरा बढ़ा रहा है, बल्कि वह जैविक हथियार बनाने में भी जुटा हुआ है। अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन ने अपनी एक नई रिपोर्ट में कहा है कि चीनी सेना रासायनिक और जैविक हथियार बनाने पर काम कर रही है। इसमें कहा गया है कि चीन संभावित दोहरे उपयोग वाले जैविक हथियार की गतिविधियों में लगा हुआ है। चीन इन जैविक, विषाक्त और रासायनिक हथियारों का अनुपालन किस तरह से करता है, यह चिंता बढ़ाने की बात हो सकती है। रिपोर्ट का निष्कर्ष यह है कि चीन विश्व स्तरीय सैन्य शक्तियों से निपटने के लिए हर संभव अपनी क्षमता बढ़ा कर हासिल करने की दौड़ में लगा हुआ है और वह अपने लक्ष्य तक पहुंचने के लिए निरंतर प्रयासरत है। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन अपने परमाणु अस्त्रों के भंडार में तेजी से बढ़ोतरी कर रहा है और साल 2030 तक उसके उस पास मौजूद परमाणु हथियारों की संख्या कम से कम 1000 तक पहुंच सकती है।

आखिरकार इमरान खान ने कर ही दिया सरेंडर, कट्टरपंथी संगठन TLP से हटाया बैन

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की सड़कों पर हिंसक विरोध करने वाले कट्टर इस्लामवादियों के सामने आखिरकार इमरान खान की सरकार झुकने पर मजबूर हो ही गई। पहले चरमपंथी संगठन तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) के कई नेताओं की रिहाई और अब इमरान खान ने उस पर से बैन हटा दिया है। प्रधानमंत्री इमरान खान ने सरकार विरोधी आंदोलन को समाप्त करने के लिए कट्टर इस्लामवादियों के आगे झुकते हुए चरमपंथी संगठन तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) को प्रतिबंधित संगठनों की सूची से बाहर करने की शनिवार को अनुमति दे दी। फ्रांस में प्रकाशित ईशनिंदा कार्टून के मुद्दे पर सरकार को फ्रांसीसी राजदूत को निष्कासित करने के लिए मजबूर करने के वास्ते संगठन द्वारा किए गए हिंसक विरोध के बाद अप्रैल में इसे प्रतिबंधित कर दिया गया था।

नदिया जिले में 'छठ पूजा' से पहले किसान केले के गुच्छों को थोक फल बाजार में ले जाते हैं।

न्यूज ब्रीफ

लवलीना के खिलाफ ट्रायल की मांग खारिज, भट बनेंगे महिला मुक्केबाजी के राष्ट्रीय कोच

नई दिल्ली। लंबे समय से राष्ट्रीय युवा टीम के कोच के तौर पर काम कर रहे भास्कर भट का विश्व चैंपियनशिप से पहले सीनियर महिला मुक्केबाजी का मुख्य कोच बनना लगभग तय है, तो वहीं ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन के खिलाफ राष्ट्रीय स्तर की स्वर्ण विजेता अरुंधति चौधरी द्वारा ट्रायल के अनुरोध को खारिज कर दिया गया। भारतीय मुक्केबाजी संघ (बीएफआई) के महासचिव हेमंत कालिता ने कहा कि लवलीना को 70 किग्रा वर्ग में सीधे प्रवेश देने के निर्णय पर फिर से विचार नहीं किया जाएगा। इससे पहले अरुंधति ने एक खुला पत्र जारी कर 'खेल की निष्पक्षता बनाए रखने और हर बार खुद को साबित करने की आवश्यकता% का हवाला देते हुए ट्रायल की मांग की थी। कालिता ने कहा, 'महिला विश्व चैंपियनशिप के लिए कोई ट्रायल नहीं होगा। जैसा कि सितंबर में कार्यकारी समिति की बैठक के दौरान तय किया गया था, लवलीना के वर्ग को छोड़ कर हर वर्ग के राष्ट्रीय चैंपियन भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। उन्होंने कहा, 'लवलीना को सीधे प्रवेश देने का निर्णय उनके तोक्यो ओलंपिक प्रदर्शन पर आधारित था। इसे बदला नहीं जाएगा।% महिला विश्व चैंपियनशिप का आयोजन दिसंबर में इस्तांबुल में होगा। प्रतियोगिता की तारीखों की घोषणा अभी नहीं हुई है। चौबीस साल की बोरगोहेन इस स्पर्धा की दो बार की कांस्य पदक विजेता हैं, जबकि 19 वर्षीय अरुंधति ने इस साल की शुरुआत में युवा विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। लंबे समय से राष्ट्रीय युवा कोच के तौर पर कार्यरत भट को सीनियर महिला टीम के शिविर का प्रभार दिया जाना तय है क्योंकि बीएफआई ने हाई परफार्मेंस निदेशक राफेल बर्गमास्को और मुख्य कोच मोहम्मद अली कमर के अनुबंधों को आगे नहीं बढ़ाया है। उत्तराखंड के रहने वाले 56 वर्षीय भट 2017 से युवा टीम के साथ हैं और 2005 से 2012 तक सीनियर महिला शिविर में सहायक कोच थे। उन्होंने परिवार के साथ समय बिताने के लिए 2012 से 2017 के बीच कोचिंग से ब्रेक लिया था। पूर्व राष्ट्रीय कांस्य पदक विजेता भट 1989 में पटियाला स्थित राष्ट्रीय खेल संस्थान से अपना कोचिंग डिप्लोमा पूरा करने के बाद 1992 में भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) से जुड़े थे।

पूर्व मिस्टर ओलंपिया शॉन रोडेन को पड़ा दिल का दौरा, 46 वर्ष की उम्र में दुनिया को कहा अलविदा

नई दिल्ली। पूर्व मिस्टर ओलंपिया शॉन रोडेन का कथित तौर पर 46 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अमरीकी बॉडी बिल्डर को शनिवार को दिल का दौरा पड़ा था। सोशल मीडिया के माध्यम से शोक व्यक्त करने वालों में संन्यास ले चुके अमरीकी बॉडी बिल्डर रिच गैस्पारी भी शामिल थे। गैस्पारी ने शनिवार को एक इंस्टाग्राम पोस्ट को कैप्शन दिया, मिस्टर ओलंपिया शॉन रोडेन के निधन की खबर सुनकर मैं स्तब्ध हूं। वह हमेशा मेरे प्रति एक सज्जन व्यक्ति रहे हैं। बॉडीबिल्डिंग में शॉन सबसे सौंदर्यपूर्ण शरीर वाले व्यक्तियों में से थे। उनके परिवार के प्रति मेरी संवेदना।

जयपुर में टीम इंडिया को मिलेगा नया कोच-कप्तान : SMS स्टेडियम में 8 साल बाद होगा इंटरनेशनल क्रिकेट मैच, बतौर कोच द्रविड़ का होगा पहला मैच

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

राजस्थान के खेल प्रेमियों का इंतजार अब खत्म होने वाला है। 17 नवंबर को जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में 8 साल बाद इंटरनेशनल क्रिकेट मैच का आयोजन किया जा रहा है। इसमें भारतीय टीम का मुकाबला न्यूजीलैंड टीम से होगा। लंबे समय बात होने जा रहा यह मैच कई मायनों में काफी खास है। इस मैच में जहां भारतीय टीम में बतौर कोच राहुल द्रविड़ पहली बार मैदान पर मौजूद रहेंगे। वहीं भारतीय टी-20 टीम को नया कप्तान भी मिलेगा। हाल ही में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने पूर्व क्रिकेटर राहुल द्रविड़ को भारतीय क्रिकेट टीम का कोच नियुक्त किया है। ऐसे में बतौर कोच राहुल द्रविड़ की पहली परीक्षा जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में होगी। जहां भारतीय क्रिकेट टीम न्यूजीलैंड से मुकाबला करेगी। विराट कोहली के कप्तानी छोड़ने के बाद जयपुर के स्स्स स्टेडियम में ही भारतीय टीम नए कप्तान के साथ पहला मुकाबला खेलेगी। अब तक भारतीय टीम के नए कप्तान का ऐलान नहीं हुआ है, लेकिन सूत्रों के अनुसार रोहित शर्मा का नाम लगभग फाइनल हो चुका है। स्स्स जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में 8 साल बाद होने जा रहा क्रिकेट मैच कई महीनों में काफी खास होने जा रहा है।

द्रविड़ का है राजस्थान से पुराना नाता

भारतीय टीम के नए कोच राहुल द्रविड़ का राजस्थान और जयपुर से पुराना नाता है। दरअसल, राहुल द्रविड़ ढ्ढक्क टीम राजस्थान रॉयल्स के कप्तान और मेंटर रह चुके हैं। ऐसे में उन्होंने लंबे समय तक जयपुर में रहकर न सिर्फ प्रैक्टिस की है। द्रविड़ स्स्स स्टेडियम के ग्राउंड और चप्पे-चप्पे से भली भांति वाकिफ है। ऐसे में माना जा रहा है कि टीम इंडिया को द्रविड़ के तजुर्बे का काफी फायदा मिलने वाला है।

2013 में हुआ था आखिरी मैच

जयपुर को 16 अक्टूबर 2013 में अंतरराष्ट्रीय मैच की मेजबानी मिली थी। तब ऑस्ट्रेलिया के साथ भारत का वनडे मुकाबला हुआ था। ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 359 रनों का विशाल टारगेट दिया था। भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 43.3 ओवर में ही लक्ष्य हासिल करते हुए, ऑस्ट्रेलिया को 9 विकेट से करारी शिकस्त दी थी। जयपुर का सवाई मानसिंह स्टेडियम बैटिंग पिच माना जाता है। यहां बड़ी संख्या में IPL मैच भी हो चुके हैं।

जाते-जाते भी दिल जीत गए डीजे ब्रावो

संन्यास के बाद डेविड वार्नर के साथ किया अपना फेमस डांस

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज शारजाह

टी-20 विश्वकप का 38वां मुकाबला ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के बीच खेला गया, जिसे कंगारू टीम ने 8 विकेट से जीतकर अपने नाम किया। इस मैच के साथ ही दिग्गज ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो ने भी इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कह दिया। ब्रावो का वेस्टइंडीज के लिए ये आखिरी टी-20 इंटरनेशनल मैच था, वह अब सिर्फ फ्रेंचाइजी क्रिकेट में ही खेलते नजर आएंगे।

ड्वेन ब्रावो का T-20I करियर

मैच	91
रन	1255
विकेट	78
इकोनॉमी	4/19

ऑस्ट्रेलियाई टीम ने दिया सम्मान

मैच के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाड़ियों ने ड्वेन ब्रावो को गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मानित किया। इस दौरान एक ऐसा नजारा देखने को मिले, जिसने सभी क्रिकेट फैंस का दिल जीत लिया। दरअसल, बाउंड्री लाइन-अप में ब्रावो और डेविड वार्नर डांस करते नजर आए। ब्रावो और वार्नर %चैंपियन-चैंपियन% गाने पर डांस करते नजर आए। सोशल मीडिया पर दोनों दिग्गजों का ये वीडियो फैंस द्वारा बहुत पसंद किया जा रहा है। जिस गाने पर ड्वेन ब्रावो और डेविड वार्नर ने डांस किया, वह चैंपियन गाना डीजे ब्रावो ने ही लिखा है। इससे पहले भी कई बार ब्रावो को चैंपियन गाने के स्टेप करते देखा गया है।

शानदार रहा करियर

ड्वेन ब्रावो ने अपने इंटरनेशनल करियर का आगाज साल 2004 में किया था। ब्रावो वेस्टइंडीज के दिग्गज खिलाड़ियों में से एक रहे। 2012 और 2016 में जब विंडीज ने टी-20 वर्ल्ड कप जीता था, तब ब्रावो ने टीम की ऐतिहासिक जीत में यादगार भूमिका निभाई थी। ब्रावो वर्ल्ड क्रिकेट के नामी ऑलराउंडर खिलाड़ियों में से एक रहे।

मैदान पर फूट-फूट कर रोया इंग्लैंड का चैंपियन खिलाड़ी

साउथ अफ्रीका के खिलाफ मैच में जेसन रॉय चोट के कारण दर्द से कराहते रहे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

इंग्लैंड और साउथ अफ्रीका के बीच शनिवार को खेले गए मैच में इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज जेसन रॉय चोट के कारण दर्द से कराहते नजर आए और दर्द इतना था कि वो अपने पैरों पर खड़े नहीं हो पा रहे थे। वो मैदान पर ही फूट-फूटकर रोते हुए दिखाई दिए। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। इंग्लैंड की पारी के दौरान पांचवें ओवर में बटलर ने शॉट खेला और रन के लिए दौड़े। रॉय रन के लिए भागे और स्टंप्स के पीछे जाकर गिर गए इसके बाद वो खड़े ही नहीं हो पाए। तुरंत फिजियो को बुलाया गया, लेकिन रॉय का दर्द कम होने का नाम ही नहीं ले रहा था। इसके बाद उन्हें मैदान से बाहर ले जाना पड़ा। मैच के बाद जेसन रॉय को एक सपोर्टर की मदद से चलते हुए देखा गया। टारगेट का पीछा करते हुए इंग्लैंड की शुरुआत धमाकेदार रही। जेसन रॉय और बटलर ने इंग्लैंड को जोरदार शुरुआत दिलाई।

मैच में क्या हुआ?

मैच की बात करें तो साउथ अफ्रीका ने सुपर-12 के मैच में इंग्लैंड को 10 रनों से हरा दिया। टॉस हारकर पहले साउथ अफ्रीका ने अच्छी बल्लेबाजी की और 2 विकेट के नुकसान पर 189 रनों का स्कोर बनाया। रैसी वान डेर डुसेन ने 94* टॉप स्कोरर रहे, जबकि एडेन मार्करम ने भी 52 रनों की नाबाद पारी खेली। 190 रनों के टारगेट का पीछा करते हुए इंग्लैंड 179/8 का स्कोर ही बना सकी और हार गई।

पेरिसस्टार खिलाड़ी नेमार के दो गोल की बदौलत शीर्ष पर चल रहे पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने फ्रांस फुटबॉल लीग में बोरडोक्स पर 3-2 की जीत दर्ज की। नेमार (26वें और 43वें मिनट) के दो गोल के अलावा काइलियान एमबापे (63वें मिनट) ने भी एक गोल किया जिससे पीएसजी ने 63वें मिनट के बाद 3-0 की बढ़त बना ली थी।

लियाम लिविंगस्टोन ने हैट्रिक लेने वाले गेंदबाज को नहीं बख्शा, जड़ दिया टूर्नामेंट का सबसे लंबा छक्का

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज दुबई

	सा. अफ्रीका	इंग्लैंड
टीम स्कोर	189/2	179/8
ओवर	(20)	(20)
बैटर	वान डेर डुसेन 94* (60)	मोइन अली 37 (27)
बॉलर	मोइन अली 1/27	कगिसो रबाडा 3/48

इंग्लैंड और साउथ अफ्रीका के मैच के दौरान इंग्लैंड के सिक्सर किंग लियाम लिविंगस्टोन ने टी-20 वर्ल्ड कप का सबसे लंबा छक्का जड़ा। उन्होंने ये छक्का विकेटों की हैट्रिक लेने वाले गेंदबाज साउथ अफ्रीका के कागिसो रबाडा की गेंद पर मारा। लिविंगस्टोन ने 16वें ओवर में राबाडा की पहली गेंद पर डीप मिडविकेट की तरफ हवाई शॉट खेला और गेंद सीधे स्टेडियम के पार गिरी। यह सिक्स 112 मीटर लंबा रहा। लिविंगस्टोन ने इसके बाद रबाडा की दूसरी और तीसरी गेंद पर भी छक्का जड़ा और दक्षिण अफ्रीका की वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदों को भी खत्म कर दिया। लिविंगस्टोन से पहले वेस्टइंडीज के आंद्रे रसेल ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 111 मीटर लंबा छक्का मारा था। आखिरी ओवर में इंग्लैंड को जीत के लिए 14 रन की जरूरत थी। क्रीज पर क्रिस वोक्स और इयोन मोर्गन मौजूद थे। मगर रबाडा ने खेल पलट दिया। पहली गेंद पर क्रिस वोक्स (7), दूसरी बॉल पर कप्तान मोर्गन (17) और तीसरी गेंद पर क्रिस जॉर्डन (0) का शिकार किया। तीनों विकेट कैच आउट हुए। कागिसो मेंस टी-20 वर्ल्ड कप में हैट्रिक चटकाने वाले चौथे और साउथ अफ्रीका के पहले बॉलर हैं। मैच साउथ अफ्रीका ने 10 रनों से जीता। मैच में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए साउथ अफ्रीका ने सिर्फ 2 विकेट खोकर ही 20 ओवर में 189 रन ठोक दिए। साउथ अफ्रीका के लिए वेन डेर डुसेन ने नाबाद 94 और एडेन मार्करम ने 25 गेंद में 52 रन की पारी खेली। जवाब में इंग्लैंड की टीम 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 179 रन ही बना पाई और 10 रन से मैच हार गई। इंग्लैंड के साथ मैच जीतने के बाद भी साउथ अफ्रीका सेमीफाइनल में नहीं पहुंच पाई। क्योंकि ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के पॉइंट बराबर हो गए। पर रन रेट के हिसाब से ऑस्ट्रेलिया ने बाजी मारी। मैच में साउथ अफ्रीका ने इंग्लैंड के सामने 190 रनों का लक्ष्य रखा था, लेकिन टीम को सेमीफाइनल में जगह पक्की करने के लिए श्वह्रत्र को 131 के स्कोर तक रोकना था।

SUPER HERO
यदि आप
किसी भी व्यक्ति को जानते हैं
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।
हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहे हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा संयुक्त प्रयास रहेगा।
Contact: Editorial Desk (Lifestyle),
ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com
PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

न्यूज ब्रीफ

उपभोक्ता उपकरण और वाहन कंपनियों के लिए त्योहार फीका

नई दिल्ली। मंगलवार को धनतेरस की चमक फीकी रही, खास तौर पर ज्यादातर उपभोक्ता अप्लायंस विनिर्माताओं और वाहन विनिर्माताओं के लिए। विक्रेता खरीदारों में त्योहारी उत्साह की कमी की वजह लगातार महंगाई, कोविड-19 की दूसरी लहर और सेमीकंडक्टर की किल्लत को मानते हैं। अनुमानों के मुताबिक धनतेरस पर दोपहिया और कारों की डिलिवरी पिछले साल के मुकाबले 30 फीसदी कम रही। अब कंपनियों की उम्मीदें 45 दिन के त्योहारी सीजन के आखिरी कुछ दिनों पर टिकी हैं। यह सीजन 5 नवंबर को भाई दूज पर समाप्त हो जाएगा। उन्हें इस त्योहारी सीजन के तुरंत बाद शुरू होने वाले वैवाहिक सीजन से भी उम्मीद हैं। गोदरेज कंज्यूमर अप्लायंसेज के कारोबार प्रमुख और कार्यकारी उपाध्यक्ष कमल नंदी ने कहा, %हमें पिछले साल जैसा उत्साह नजर नहीं आ रहा है। हालांकि उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स एवं अप्लायंस विनिर्माता संघ (सीईएएमए) के अध्यक्ष एरिक ब्रगांजा ने कहा कि %अब तक बिक्री अच्छी रही है% और उन्हें आगामी दिनों में सुधार आने की उम्मीद है। वाहन क्षेत्र से जुड़े लोगों का मिजाज बिगड़ा हुआ है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष विंकेश गुलाटी ने कहा, %देश में वाहन बिक्री के लिए यह त्योहारी सीजन पिछले एक दशक में सबसे खराब है। उन्होंने कहा कि चिप की किल्लत का निजी वाहनों की आपूर्ति पर असर पड़ रहा है, जिससे एसयूवी, कॉम्पैक्ट एसयूवी और लक्जरी खंड में वाहनों की भारी किल्लत है। उन्होंने कहा कि शुरुआती कीमत स्तर के निजी वाहनों की मांग अब भी कम है क्योंकि ग्राहक चिकित्सा जरूरतों के लिए पैसा बचा रहे हैं। उन्होंने कहा, %ग्रामीण क्षेत्रों में खराब वित्तीय स्थिति, ईंधन की कीमतों और लोगों के कोई बड़ी चीज खरीदने के बजाय अचानक आने वाली किसी चिकित्सा जरूरत के लिए बचत करने के कारण शुरुआती स्तर के दोपहिया वाहनों की बिक्री भी नहीं बढ़ रही है।

शेयर बाजार में उछाल : खुदरा महंगाई, वाहन बिक्री एवं तिमाही परिणाम का रहेगा असर

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज मुंबई

बीते सप्ताह लगभग डेढ़ प्रतिशत का उछाल देख चुके शेयर बाजार पर अगले सप्ताह जारी होने वाली खुदरा महंगाई, वाहन बिक्री और कंपनियों के तिमाही परिणाम के आंकड़ों का असर रहेगा। समीक्षाधीन सप्ताह में 60 हजार अंक से नीचे लुढ़का बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स सप्ताहांत पर 760.69 प्रतिशत की छलांग लगाकर 60067.62 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 247.15 अंक उछलकर 17918.80 अंक पर पहुंच गया। बीते सप्ताह पांच में से तीन दिन काम हुआ था। दिवाली के दिन और उसके बाद बलिप्रतिपदा के दिन कारोबार नहीं हुआ था। दिवाली के दिन मुहूर्त कारोबार हुआ था। बीते सप्ताह दिग्गज कंपनियों की तरह छोटी और मझौली कंपनियों में भी तेजी रही। बीएसई का मिडकैप 2.82 प्रतिशत की मजबूती के साथ 25992.28 अंक और स्मॉलकैप 2.7 प्रतिशत चढ़कर 28740.77 अंक पर रहा। पिछले सप्ताह दीपावली पर्व पर अवकाश के कारण शेयर

बाजार में मात्र चार दिन ही कारोबार हुआ। विश्लेषकों के अनुसार, वैश्विक बाजार के लिए 10 नवंबर काफी महत्वपूर्ण रहेगा। इस दिन अमेरिका और चीन में महंगाई के आंकड़े जारी होंगे, जिसका असर बाजार पर रहेगा। इसी तरह घरेलू स्तर पर 12 नवंबर को औद्योगिक उत्पादन के आंकड़ों के अलावा मुत्थुट फाइनेंस, सन टीवी, अरविंदो फार्मा, ब्रिटानिया और महिंद्रा एंड महिंद्रा के चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के आंकड़े जारी होंगे। साथ ही अगले सप्ताह अक्टूबर की वाहन बिक्री के आंकड़े भी आएंगे। इसका असर बाजार पर देखा जा सकेगा। उनका कहना है कि अगले सप्ताह बाजार के लिए विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) का व्यवहार भी काफी महत्वपूर्ण होगा क्योंकि वे लगातार बिकवाली कर रहे हैं। यदि वे अपने मौजूदा मूड के साथ बने रहते हैं तो बाजार में और करेक्शन हो सकता है। एशियाई बाजार के मिश्रित संकेतों के बीच यूरोपीय बाजारों के बढ़त के साथ खुलने और घरेलू स्तर पर अक्टूबर में विनिर्माण पीएमआई में तेजी एवं जीएसटी राजस्व संग्रह में हुई बढ़ोतरी के बल पर सोमवार को कारोबार के अंतिम चरण में हुई जबरदस्त लिवाली से शेयर बाजार चार दिनों की गिरावट से उबरते हुए बढ़त हासिल करने में सफल रहा। इस दौरान सेंसेक्स 831.53 अंकों की उछाल लेकर 60138.46 अंक पर और निफ्टी 258 अंकों की बढ़त के साथ 17929.65 अंक पर रहा। वहीं, मंगलवार को विदेशी बाजारों की गिरावट से निराश निवेशकों की बिकवाली के दबाव में सेंसेक्स 109.40 अंक उतरकर 60,029.06 अंक और निफ्टी 40.70 अंक

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से आठ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1.18 लाख करोड़ रुपये बढ़ा

फिसलकर 17,888.95 अंक पर आ गया। सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से आठ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 1,18,930.01 करोड़ रुपये बढ़ गया। सबसे अधिक लाभ में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) रहीं। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 760.69 अंक या 1.28 प्रतिशत चढ़ गया। हिंदू कैलेंडर वर्ष 'विक्रम सम्वत' की शुरुआत यानी दिवाली के दिन एक दिन का विशेष मुहूर्त कारोबार आयोजित किया गया। शुक्रवार को दिवाली बलिप्रतिपदा के मौके पर बाजार बंद रहे। बीते सप्ताह सिर्फ रिलायंस इंडस्ट्रीज तथा आईसीआईसीआई बैंक के बाजार पूंजीकरण में गिरावट आई। सप्ताह के दौरान टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 40,782.04 करोड़ रुपये बढ़कर 12,98,015.62 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। एसबीआई के बाजार मूल्यांकन में 25,033.54 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई और यह 4,73,406.02 करोड़ रुपये रहा। इन्फोसिस की बाजार हैसियत 17,158.49 करोड़ रुपये के उछाल से 7,18,890.08 करोड़ रुपये पर और एचडीएफसी की 10,153.08 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी के साथ 5,24,370.77 करोड़ रुपये रही। बजाज फाइनेंस का बाजार पूंजीकरण 7,502.68 करोड़ रुपये बढ़कर 4,54,304.34 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार मूल्यांकन 6,978.29 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी के साथ 5,69,458.69 करोड़ रुपये तथा एचडीएफसी बैंक का 6,453.41 करोड़ रुपये की वृद्धि के साथ 8,82,981.83 करोड़ रुपये रहा। कोटक महिंद्रा बैंक का मूल्यांकन 4,868.48 करोड़ रुपये के उछाल से 4,07,881.48 करोड़

मस्क बेचना चाहते हैं टेस्ला के 10 फीसदी शेयर, ट्विटर पर पोल शुरू किया

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

दुनिया के सबसे अमीर लोगों में से एक टेस्ला इंक के मालिक एलन मस्क ने करोड़ों डॉलर का फैसला ट्विटर फॉलोअर्स के भरोसे छोड़ दिया है। उन्होंने एक पोल जारी कर टेस्ला के 10 फीसदी स्टॉक बेचने की बात कही है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा है कि जो भी फैसला सामने आएगा, वे उसका पालन करेंगे। बड़े स्तर पर फॉलोअर्स स्टॉक बेचे जाने की बात का समर्थन कर रहे हैं। खास बात है कि सीमित तनख्वाह हासिल करने वाले मस्क का यह बयान सीनेट में 'बिलिनियर्स टैक्स'

की पेशकश के बाद आया है। डेमोक्रेट्स की तरफ से अमेरिकी सीनेट में 'बिलिनियर्स टैक्स' की पेशकश की गई थी। इसका जिक्र करते हुए मस्क ने ट्वीट किया कि वे टेस्ला स्टॉक का 10 फीसदी बेचने का प्रस्ताव रखते हैं। साथ ही उन्होंने ट्वीट के जरिए यह भी जानकारी दी कि वे पोल के नतीजे हर स्थिति में स्वीकार करेंगे। अब तक इस पोल पर 19 लाख 17 हजार 974 यूजर्स प्रतिक्रिया दे चुके हैं। इनमें से 55.1 फीसदी ने स्टॉक बेचने की बात का समर्थन किया है। जबकि, 44.9 प्रतिशत यूजर्स इसके पक्ष में नहीं हैं। रॉयटर्स की गणना के मुताबिक, 30 जून तक मस्क की टेस्ला में शेयरहोल्डिंग 17.05 करोड़ पर थी। शुक्रवार को हुई क्लोजिंग के अनुसार, ऐसे में 10 फीसदी शेयर बेचने का मतलब 2100 करोड़ डॉलर है। एनालिस्ट्स का कहना है कि टैक्स देने के लिए उन्हें बड़ी संख्या में शेयर निकालने होंगे। इनमें बड़ी संख्या में ऑप्शन हैं, जो अगले साल एक्सपायर हो रहे हैं। मस्क ने ट्वीट किया था, 'देखें, मैं कहीं से भी नगद तनख्वाह या बोनस नहीं लेता हूं। मेरे पास केवल स्टॉक हैं और मेरे लिए टैक्स देने का एक ही रास्ता स्टॉक बेचना है।' मस्क की मां किंबल समेत टेस्ला बोर्ड के सदस्यों ने हाल ही में कुछ शेयर बेचे थे। किंबल मस्क की तरफ से बेचे गए शेयर्स की संख्या 88 हजार 500 थी। जबकि, बोर्ड में शामिल इला एरनप्रीस ने 20 करोड़ डॉलर से ज्यादा कीमत के शेयर निकाले थे।

सूची में अमीर लेकिन परोपकार में पीछे

नई दिल्ली। स्टार्टअप संस्थापकों ने इस साल देश के अमीरों की सूची में अपना दबदबा मजबूत बनाया है, लेकिन सिर्फ पांच ही हुरुन रिसर्च ऐंड एडलगिव फाउंडेशन द्वारा जारी टॉप 95 इंडिया फिलंथ्रॉपी सूची में जगह बनाने में कामयाब रहे हैं। कुछ सप्ताह पहले, हुरुन रिसर्च ने आईआईएफएल सिक्योरिटीज के साथ मिलकर इंडिया रिच लिस्ट जारी की थी जिसमें भारत में स्थित 13 स्टार्टअप उद्यमियों को टॉप-200 में शामिल किया गया था। लेकिन सिर्फ पांच उद्यमी ही परोपकार के लिहाज से अपना योगदान देने में सफल साबित हुए थे। हुरुन के अनुमानों के अनुसार, स्टार्टअपों और उनकी परोपकार संबंधित योजनाओं के अनुसार, उसे कम से कम 5 से 20 और संस्थापकों के अगले दो साल में टॉप-95 फिलंथ्रॉपी लिस्ट में शामिल होने की संभावना है।

APPOINTMENTS
ITDC NEWS
Reputed business Hindi daily of Madhya Pradesh is required
POSTINGS AT BHOPAL MP
SALES AD TEAM LEADER
5 years experience in print media
EXECUTIVE SPACE SALES
Degree in any discipline, prefer BBA
News Reporter
Degree in any discipline, Prefer BJ

Send resume hr.itdcnews@gmail.com, and whatsapp on 9826073332 in 3 days

PRESS
ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com
मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,
मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।
आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंकेडीन, यूट्यूब, जीटॉक, ट्विटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।
आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अपठित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com
इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

परोपकार
भी, रोजगार भी
प्रति माह
50 हज़ार या अधिक भी
अर्जन कर सकते हैं.
बिना किसी पूंजी,
बिना तकनीकी योग्यता

बेरोजगार
एवं बेहतर जॉब या कार्य संतुष्टि चाहने वाले भाई बहन आगामी
अर्थसम्मेलन 21
20 नवंबर 2021, 3.00PM
(वर्चुअल ज़ूम पर, सीमित स्थान) में भाग लें.
अपनी सीट बुकिंग गूगल आवेदन फॉर्म लिंक हेतु
YES, I AM WILLING.
(name, state, mob. no.)
निम्न मोबाइल व्हाट्सएप्प न. पर लिखें.
+91 9826 22 00 22
green DONOR हरित वीर वाहिनी
www.greendonor.in
माँ प्रकृति सँवार, संवर्धन, संरक्षण, के लिए समर्पित.

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़ के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91, जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, 0755-4223334 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।